हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 168 बेमेतरा, शनिवार 07 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

मुख्यमंत्री साय ने अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की

स्थानीय जरूरतों और जन आकांक्षा के अनुरूप स्वीकृत होंगे विकास कार्य : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण की प्रथम बैठक जिला मुख्यालय दुर्ग स्थित लोक निर्माण विभाग के सभाकक्ष में संपन्न हुई।

बैठक में प्राधिकरण के अंतर्गत स्वीकृत प्रमुख विकास कार्यों, प्राधिकरण मद से निर्माणाधीन कार्यों के अनुमोदन, प्रावधानित बजट तथा नवीन स्वीकृत कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के पिछड़ा वर्ग समुदाय के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक उत्थान हेतु संचालित योजनाओं की प्रगति का आकलन करना तथा भावी विकास रणनीतियों का निर्धारण करना था, ताकि विकास का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक प्रभावी रूप से पहुँच सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्राधिकरण के अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वीकृत बजट का समय पर एवं पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का लाभ सीधे आमजन तक पहुँचना चाहिए और इसके लिए सभी स्तरों पर सतत निगरानी आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले के अंतर्गत स्वीकृत सभी विकास कार्यों, सेवाओं एवं कार्यक्रमों का बेहतर संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्रों के हित को प्राथमिकता में रखते हुए सभी स्वीकृत निर्माण कार्यों को अविलंब पूर्ण किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 से लेकर वित्तीय वर्ष 2024-25 तक स्वीकृत निर्माण एवं विकास कार्यों की जिलेवार समीक्षा की।

स्वीकृत विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

इस दौरान उन्होंने प्रगति की स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने ऐसे विकास कार्य जो अब तक अप्रारंभ हैं अथवा प्रगतिरत हैं, उन्हें चिन्हित करते हुए दो माह की समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला कलेक्टरों से प्रत्यक्ष संवाद कर कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

इसके अंतर्गत क्षेत्रीय नेतृत्व से परामर्श लेकर अल्पकालिक योजनाओं का निर्माण, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार तथा जन अपेक्षाओं के अनुरूप छोटे-छोटे निर्माण कार्यों की त्वरित स्वीकृति का प्रावधान किया गया है। प्राधिकरण के अंतर्गत राज्य के 35 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों में आधारभूत नागरिक सुविधाओं के विकास, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रोत्साहन, शैक्षणिक सुविधाओं तथा स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही शिक्षा एवं छात्रावासों के विकास पर प्रमुख रूप से जोर दिया गया है और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने को लेकर भी बैठक में चर्चा की गई। बैठक में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर सहित अन्य विधायकगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव बसवराजू एस, शासन के विभिन्न विभागों के सचिव, आईजी, कमिश्नर, कलेक्टर एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

लिस्टेड कंपनियों ने अनलिस्टेड को कॉरपोरेट टैक्स में पछाड़ा

नईदिल्ली। भारत में अब स्टॉक मार्केट में लिस्टेड कंपनियां टैक्स कलेक्शन में अनलिस्टेड कंपनियों को पीछे छोड़ रही हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की बाज़ार की नब्ज रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में अनलिस्टेड कंपनियों का कुल कॉर्पोरेट टैक्स में हिस्सा घटकर 47% रह गया। यह हिस्सा एफवाई19 में 55.6% था। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड-19 महामारी के समय लिस्टेड और अनलिस्टेड कंपनियों के बीच कर भुगतान में बड़ा अंतर आया।

यूएस ट्रेड डील से बाजार को मिला सहारा

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार (6 फरवरी) को तेजी रही और बाजार पिछले तीन महीनों में अपने सबसे अच्छे साप्ताहिक प्रदर्शन के साथ बंद हुआ। अमेरिका के साथ लंबे समय से इंतजार किए जा रहे व्यापार समझौते ने बाजार पर बने एक बड़े दबाव को खत्म कर दिया। इससे बजट वाले दिन आई गिरावट और वैश्विक स्तर पर सॉफ्टवेयर शेयरों में चल रही बिकवाली का असर भी कम हो गया।

बढ़त के साथ बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार

नईदिल्ली। आरबीआई की एमपीसी फैसलों के एलान के बाद भारतीय बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। आरबीआई ने उम्मीद के मुताबिक बेंचमार्क ब्याज दर को अपरिवर्तित रखा। साथ ही रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए वित्तपोषण का दायरा बढ़ाने के प्रस्ताव से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। केंद्रीय बैंक ने रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स को बैंकों से कर्ज देने की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा है, हालांकि इसके लिए कुछ प्रूडेंशियल सेफगार्ड्स लागू होंगे। इस कदम का उद्देश्य रियल एस्टेट सेक्टर के लिए फंडिंग पूल को गहरा करना और दीर्घकालिक निवेश को प्रोत्साहन देना है।

ब्याज दरों पर विराम लेकिन सुधारों को रफ्तार

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी फरवरी की मौद्रिक नीति समीक्षा में भले ही रेपो रेट को 5.25% पर यथावत रखने का फैसला किया है, लेकिन केंद्रीय बैंक ने वित्तीय प्रणाली में सुधारों का बड़ा बूस्टर डोज दिया है। शुक्रवार को नीतिगत दरों को स्थिर रखते हुए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने ग्राहक संरक्षण और छोटे कारोबारियों के लिए खजाना खोल दिया। आरबीआई ने जहां डिजिटल फ्रॉड के शिकार ग्राहकों के लिए 25,000 रुपये तक के मुआवजे का प्रस्ताव रखा है, वहीं रियल एस्टेट और एनबीएफसी सेक्टर के लिए नियमों को आसान बनाकर विकास को गति देने की बड़ी पहल की है।

आज 'बस्तर पंडुम-2026' का राष्ट्रपति मुर्मु करेंगी शुभारंभ

राज्यपाल और मुख्यमंत्री सहित मंत्रीमण्डल के सदस्य, सांसद भी होंगे शामिल

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु आदिवासी संस्कृति का महाकुंभ 'बस्तर पण्डुम-2026' का 7 फरवरी 2026 को शुभारंभ करेंगी। संभाग स्तरीय बस्तर पण्डुम 9 फरवरी तक आयोजित होगा। जनजातीय समाज के इस तीन दिवसीय सांस्कृतिक महाकुंभ जनजातीय जीवनशैली, मान्यताओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत सहेजने और प्रदर्शित करने का पर्व है।

बस्तर पण्डुम लोककला और संस्कृति तथा स्थानीय परंपराओं से जुड़ा उत्सव है। यह उत्सव बस्तर जनजातीय बस्तर पण्डुम जानजातीय समुदाय की पहचान, गौरव और उनकी समृद्ध परंपरा को प्रोत्साहित करने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है। इस उत्सव के माध्यम से बस्तर अंचल की सांस्कृतिक को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय एवं लोक संस्कृति महोत्सव बस्तर पंडुम 2026 का शुभारंभ समारोह 7 फरवरी 2026 को सुबह 11 बजे जगदलपुर में होगा। समारोह की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव और विजय शर्मा, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप विशेष रूप से शामिल होंगे।

जनजातीय कला और परंपरा का उत्सव है बस्तर पंडुम

बस्तर अंचल में पण्डुम पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस उत्सव में जनजातीय समाज की जीवनशैली के दर्शन होते है। इस बार पण्डुम पूरी भव्यता के साथ आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 12 विधाओं की प्रस्तुति दी जाएगी। युवा कलाकारों के माध्यम से बस्तर जनजातीय नृत्य, गीत, नाट्य, वाद्ययंत्र, वेशभूषा व आभूषण, पूजा पद्धति, बस्तर शिल्प, जनजातीय चित्रकला का प्रदर्शन किया जाएगा।

इसके अलावा जनजातीय पेय पदार्थ, पारंपरिक व्यंजन, आंचलिक साहित्य एवं बस्तर वन औषधि पर भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में सांसद द्वय भोजराज नाग और महेश कश्यप, विधायक किरण सिंहदेव, सुलता उसेण्डी, विक्रम उसेण्डी, नीलकण्ठ टेकाम, आशाराम नेताम, चैतराम अटामी, विनायक गोयल, श्रीमती सावित्री मनोज मंडावी, लखेश्वर बघेल, विक्रम मंडावी तथा महापौर संजय पाण्डेय सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल होंगे।

भारत ने छठी बार जीता अंडर-19 विश्वकप, इंग्लैंड को 100 रन से रौंदा

नई दिल्ली (ए)। भारतीय अंडर-19 टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और छठी बार विश्व कप का खिताब जीत लिया। भारत पूरे टूर्नामेंट के दौरान अजेय रहा और ग्रुप चरण से लेकर फाइनल मुकाबले तक कोई टीम आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली टीम को हरा नहीं सकी। भारत के लिए वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे और अभिज्ञान कुंडू ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान शानदार प्रदर्शन किया।

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 100 रनों से हराया। भारत ने इंग्लैंड के सामने 412 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में इंग्लिश टीम 40.2 ओवर में 311 रन रन पर सिमट गई। टीम इंडिया के लिए वैभव सूर्यवंशी फाइनल के सुपरस्टार रहे। उन्होंने 80 गेंद में 175 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। वहीं, इंग्लैंड की ओर से कैलब फाल्कनर ने शतक जड़ा, लेकिन टीम को नहीं जिता पाए। फाल्कनर ने 67 गेंद पर 115 रन की पारी खेली।

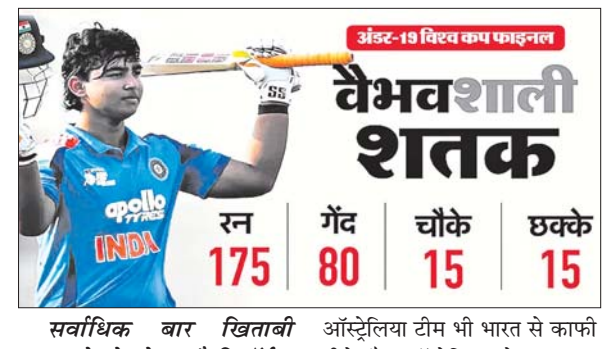

सर्वाधिक बार खिताबी मुकाबले खेलने का है रिकॉर्ड - इसमें कोई शक नहीं है कि भारत का अंडर-19 विश्व कप में हमेशा ही दबदबा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि भारत अंडर-19 विश्व कप के 16 सत्र में से 10 बार खिताबी मुकाबले में पहुंच चुका है जो सर्वाधिक है। भारत ने लगातार छठी बार खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया था। टीम ने 2016, 2018, 2020, 2022, 2024 और 2026 में खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। यह आंकड़ा ये बताने के लिए अपने आप में काफी है कि भारतीय टीम का अंडर-19 में कोई सानी नहीं है। यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया टीम भी भारत से काफी पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने छह बार अंडर-19 टीम के फाइनल में जगह बनाई है और चार बार खिताब जीता है।

6 साल की उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू किया

अमर उजाला से बातचीत में वैभव के पिता संजीव सूर्यवंशी ने बताया था कि वैभव बचपन से ही क्रिकेट के शौकीन थे। उन्होंने 6 साल की उम्र से ही क्रिकेट खेलना शुरू किया था। उसकी लगन को देखते हुए शहर के पटेल मैदान में क्रिकेट के गुण सीखने बृजेश झा के पास भेजा गया।

इस्लामाबाद में जुमे की नमाज के दौरान शिया मस्जिद में धमाका

फिदायीन हमले में 31 की मौत, 169 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद की एक मस्जिद में आत्मघाती हमला किया गया। शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान तरलाई इलाके की इमाम बारगाह खदीजत-उल-कुबरा में जोरदार धमाका हुआ।

इस विस्फोट में कई लोगों के हताहत होने की खबर है। ब्लास्ट के बाद पूरे शहर में इमरजेंसी लगा दी गई है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तहरीक ए तालिबान (टीटीपी) से जुड़े हमलावर ने गेट पर रोके जाने के बाद खुद को उड़ा लिया था। जहां यह धमाका हुआ है वो शिया मस्जिद है। इस धमाके में 31 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 169 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद पूरे इलाके को सुरक्षा बलों ने घेर लिया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक यह धमाका एक सुसाइड बॉम्बिंग यानी आत्मघाती हमला था।

यह हमला ऐसे वक्त हुआ है, जब उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव की दो दिन की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस्लामाबाद कैपिटल टेरिटरी पुलिस के प्रवक्ता तकी जवाद ने कहा कि धमाके की प्रकृति का पता लगाना अभी जल्दबाजी होगी और फोरेंसिक टीमों को यह तय करना होगा कि यह आत्मघाती हमला था या प्लांट किया गया बम।

जान बचाकर भागने लगे लोग: धमाके के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। लोग अपनी जान बचाते हुए इधर-उधर भागते दिखे। सूचना मिलते ही फौरन पुलिस और रेस्क्यू टीमें पहुंची और राहत व बचाव कार्य में जुट गए।

अस्पतालों में भी लगाई इमरजेंसी

सुरक्षा एजेंसियों ने इमाम बारगाह और आसपास के पूरे इलाके की घेराबंदी करते हुए कड़ी निगरानी रखी जा रही है। राजधानी के पॉलीक्लिनिक, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमस), और सीडीए अस्पताल में इमरजेंसी लगा दी गई है। पीआईएमस के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ईडी) के निर्देश पर अस्पताल में इमरजेंसी लागू कर दी गई है। एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्य इमरजेंसी, ऑर्थोपेडिक, बर्न सेंटर और न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट को एक्टिव कर दिया गया है।

बठिंडा में उग्र हुए किसान : पुलिस के साथ टकराव पत्थरबाजी के बाद छोड़े आंसू गैस के गोले

बठिंडा। भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां की तरफ से इरादा-ए-कत्ल के मामले में जेल में बंद दो किसान नेताओं की रिहाई की मांग को लेकर शुक्रवार को बठिंडा डीसी कार्यालय का घेराव करने की कोशिश को पुलिस सख्ती से नाकाम कर दिया।

इस मौके पर पूरे जिले में सुबह से ही भारी पुलिस बल तैनात कर जगह-जगह नाकाबंदी की गई और कई स्थानों पर किसानों को रोककर वापस भेज दिया गया। किसानों ने इस दौरान पंजाब सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। शुक्रवार शाम को बठिंडा-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर रामपुरा के पास धरना दे रहे किसान उग्र हो गए। किसानों का पुलिस के साथ टकराव हो गया। किसानों को रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़ दिए। वहीं गुस्साए किसानों ने पुलिस पर पथराव किया। पुलिस द्वारा संभावित धरने और घेराव को देखते हुए जिले के मुख्य मार्गों, शहर के प्रवेश द्वारों और डीसी कार्यालय के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

असली कातिल सड़क नहीं, गैरजिम्मेदार सत्ता है राहुल गांधी ने दिल्ली सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली। दिल्ली के जनकपुरी में एक गड्ढे में गिरने से एक युवक की मौत हो गई है। अब इस मामले में नेता प्रतिपक्ष ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कातिल सड़क नहीं है, बल्कि गैरजिम्मेदार सत्ता है। दिल्ली के जनकपुरी में एक गड्ढे में गिरने से एक निजी बैंक में कार्यरत युवक कमल की मौत हो गई है। यह गड्ढे जल बोर्ड द्वारा खोदे गए थे। अब इस मामले पर लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में फैली लालच और लापरवाही की महामारी आज फिर एक युवा की जान ले गई।

राहुला गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा, हिंदुस्तान में फैली लालच और लापरवाही की महामारी आज फिर एक युवा की जान ले गई। एक बेटा, एक सपना, मां-बाप की पूरी दुनिया सब कुछ एक झटके में उजाड़ दिया गया। यह हादसा नहीं, हत्या है, और हत्यारी है जवाबदेही से भागती सत्ता। असली कातिल सड़क नहीं, गैरजिम्मेदार सत्ता है। क्योंकि यहां न इस्तीफा होता है, न सजा मिलती है, न किसी की अंतरात्मा जागती है। इंदौर का जहरीला पानी, नोएडा में युवराज की जान लेने वाली सड़क, गिरते पुल, टकराती ट्रेनें, दम घोंटता प्रदूषण्ज कोई जवाबदेही नहीं है, और जब तक जवाबदेही नहीं होगी, तब तक कोई न कोई लालच की महामारी का अगला शिकार बनता रहेगा।

कमल गुरुवार की रात करीब 10 बजे बाइक से घर लौट रहा था। वह रोहिणी स्थित एक निजी बैंक की ब्रांच में कार्यरत था। जब वह लौट रहा था तब अचानक जनकपुरी के पास सड़क पर मौजूद गहरे गड्ढे ने उसकी जिंदगी छीन ली। परिवार का आरोप है कि अगर सड़क पर सुरक्षा इंतजाम होते तो यह

टी20 विश्व कप उद्घाटन समारोह में जलवा बिखेरेंगे बादशाह और नोरा फतेही

मुंबई। टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत शनिवार से होगी। यह टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जा रहा है जिसमें 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली गत चैंपियन भारतीय टीम खिताब की सबसे प्रबल दावेदार है। भारत के पास लगातार दूसरा और कुल तीसरा टी20 विश्व कप का खिताब जीतने का मौका होगा। टूर्नामेंट की शुरुआत भव्य उद्घाटन समारोह से होगी जिसमें बॉलीवुड के मशहूर रैपर बादशाह और अभिनेत्री नोरा फतेही अपने प्रदर्शन से चार चांद लगाएंगे।

टी20 विश्व कप के पहले दिन तीन मैच खेले जाएंगे। पहला मुकाबला पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच भारतीय समयानुसार सुबह 11 बजे से कोलंबो में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मैच कोलकाता में दोपहर तीन बजे से वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड के बीच होगा। तीसरे मैच में भारत का सामना मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका से होगा। भारत और अमेरिका के बीच यह मैच शाम सात बजे से खेला जाएगा। टी20 विश्व कप का उद्घाटन समारोह भारत और अमेरिका के बीच मैच से ठीक पहले होगा।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर में बड़ा एंटी नक्सल ऑपरेशन

सी-60 कमांडो की कार्रवाई में 7 नक्सली ढेर, एक जवान शहीद

बीजापुर। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा से लगे अबूझमाड़ इलाके में सुरक्षाबलों का बड़ा एंटी नक्सल ऑपरेशन जारी है। बीजापुर जिले की सीमा से सटे इस दुर्गम क्षेत्र में महाराष्ट्र पुलिस के विशेष दस्ता सी-60 कमांडो द्वारा चलाए जा रहे एंटी नक्सल ऑपरेशन के दौरान भीषण मुठभेड़ हुई, जिसमें अब तक 7 नक्सलियों के मारे जाने की सूचना है।

जानकारी के अनुसार, सी-60 कमांडो ने गुरुवार दोपहर बाद ऑपरेशन की शुरुआत की थी। दो दिनों से चल रही इस मुठभेड़ में जवानों ने अब तक 7 नक्सलियों के मार गिराया है। पहले दिन 3 और दूसरे दिन 4 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। मारे गए नक्सलियों में 25 लाख का इनामी नक्सली नेता प्रभाकर भी शामिल बताया जा रहा है। सर्च ऑपरेशन के दौरान घटनास्थल से 3 एके-47, 1 एसएलआर राइफल सहित अन्य नक्सली सामग्री बरामद की गई है। फिलहाल पूरे इलाके में सघन सर्चिंग अभियान जारी है।

लोहा लेते हुए एक जवान शहीद - इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को भी बड़ा नुकसान हुआ है। सी-60 कमांडो जवान दीपक मंडावी नक्सलियों से बहादुरी से लड़ते हुए शहीद हो गए। बताया जा रहा है कि शहीद जवान ने अंतिम समय तक मोर्चा संभाले रखा और दो नक्सलियों को ढेर करने के बाद वीरगति को प्राप्त हुए। शहीद जवान को नम आंखों से अंतिम सलामी दी गई। फिलहाल सुरक्षाबल ऑपरेशन को आगे बढ़ाते हुए इलाके में स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

किसानों की सहमति के बिना रकबा सम्पूर्ण, भौतिक सत्यापन के बाद भी अटका धान खरीदी का मामला

धान खरीदी में अव्यवस्था, विभागीय अधिकारियों पर गंभीर आरोप

करपावड (बस्तर)/मूक पत्रिका

जिले में धान खरीदी को लेकर एक बार फिर किसानों में भारी नाराज़गी देखने को मिल रही है। करपावड धान खरीदी केंद्र से जुड़ा यह मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। किसानों का आरोप है कि उनके धान का पूर्ण भौतिक सत्यापन हो जाने के बावजूद, उनकी सहमति के बिना रकबा सम्पूर्ण कर दिया गया, जिसके कारण वे धान की बिक्री नहीं कर पा रहे हैं।

किसानों का कहना है कि शासन द्वारा समस्या के समाधान के लिए विभागीय अधिकारियों को दो दिन का समय दिया गया था, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ मानसिक तनाव का भी सामना करना पड़ रहा है।

कम टोकन काटने से बढ़ी किसानों की परेशानी-धान बेचने पहुंचे किसानों ने बताया कि उन्होंने नियमानुसार पंजीयन कराया और भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया भी पूरी की, इसके बावजूद उन्हें कम मात्रा का टोकन काटकर दिया जा रहा है। इससे वे एक साथ पूरा धान नहीं बेच पा रहे हैं।विशेषकर सीमांत किसानों के लिए यह समस्या गंभीर बन गई है, क्योंकि उन्हें बार-बार परिवहन, मजदूरी और समय का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ रहा है।

विभागीय अधिकारियों पर लापरवाही के आरोप-किसानों ने धान खरीदी से जुड़े मैनेजर और पटवारी पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। किसानों का कहना है कि शिकायत करने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। कुछ किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि बिचौलियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जानबूझकर किसानों को परेशान किया जा रहा है।मामले की गंभीरता को देखते हुए बस्तर विधायक एवं कलेक्टर भी स्थिति से असंतुष्ट बताए जा रहे हैं।

एसडीएम से किसानों ने न्याय की लगाई गुहार-पीड़ित किसानों ने एसडीएम से मिलकर न्याय की मांग की है और धान खरीदी प्रक्रिया में हो रही अनियमितताओं से अवगत कराया है। किसानों ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

शासन से त्वरित हस्तक्षेप की मांग-किसानों ने शासन से मांग की है कि धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जाए और जिन किसानों का भौतिक सत्यापन पूर्ण हो चुका है, उनका धान तत्काल खरीदा जाए। साथ ही कम टोकन काटने की समस्या की जांच कर दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। कुल मिलाकर, धान खरीदी व्यवस्था की खामियां एक बार फिर सामने आ गई हैं, जो शासन और प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बनती जा रही हैं।

खरीफ वर्ष 2026 हेतु रासायनिक उर्वरकों के अग्रिम उठाव की प्रक्रिया प्रारंभ

किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने कृषि विभाग की महत्वपूर्ण पहल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

खरीफ वर्ष 2026 की खेती को सुचारु एवं समयबद्ध रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा रासायनिक उर्वरकों के अग्रिम उठाव की कार्यवाही 01 फरवरी 2026 से 31 मई 2026 तक प्रारंभ कर दी गई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को खरीफ मौसम के दौरान उर्वरकों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करना, संभावित कमी से बचाव करना तथा वितरण व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखना है।

खरीफ 2026 के लिए 37,800 मीट्रिक टन उर्वरकों का लक्ष्य निर्धारित-कृषि विभाग द्वारा खरीफ वर्ष 2026 के लिए विभिन्न रासायनिक उर्वरकों का कुल 37,800 मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निर्धारित लक्ष्य के अनुसार यूरिया ङ्क 16,600 मीट्रिक टन, डीएपी (ष्ठ्रक्क) ङ्क 10,000 मीट्रिक टन, एन.पी.के. (हृक्क) ङ्क 6,000 मीट्रिक टन, एमओपी (रूह्रक्क) ङ्क 2,200 मीट्रिक टन, एसएसपी (स्स्क्क) ङ्क 3,000 मीट्रिक टन इस अग्रिम योजना के तहत सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों तक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

अग्रिम उठाव पर ब्याज मुक्त सुविधा-किसानों को राहत प्रदान करते हुए यह भी निर्णय लिया गया है कि 01 फरवरी 2026 से 31 मई 2026 तक अग्रिम रूप से उठाए गए रासायनिक उर्वरकों पर सहकारी समितियों द्वारा कृषकों से किसी प्रकार का ब्याज अधिभारित नहीं किया जाएगा।

इससे किसानों को आर्थिक लाभ मिलेगा और वे बिना अतिरिक्त वित्तीय बोझ के आवश्यक उर्वरक समय रहते प्राप्त कर सकेंगे।

कृषकों से समय रहते उर्वरक उठाव की अपील-उप संचालक कृषि मोरध्वज डड़सेना द्वारा जिले के समस्त कृषकों से अपील की गई है कि वे खरीफ वर्ष 2026 हेतु आवश्यक रासायनिक उर्वरकों का अग्रिम उठाव अपने नजदीकी सहकारी समिति से समय रहते कर लें। इससे खरीफ मौसम के दौरान उर्वरकों की संभावित कमी, अनावश्यक भीड़, वितरण संबंधी अव्यवस्था एवं विलंब से बचा जा सकेगा।

बेहतर खेती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम-कृषि विभाग की यह अग्रिम उठाव व्यवस्था किसानों को समय पर खेती की तैयारी करने, फसल उत्पादन में वृद्धि लाने तथा खेती-किसानी को अधिक व्यवस्थित और लाभकारी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समय पर उर्वरक उपलब्ध होने से किसान अपनी खरीफ फसलों की बुवाई एवं पोषण कार्य सुचारु रूप से कर सकेंगे।

जिला पंचायत सीईओ ने निर्माणाधीन आवासों का किया औचक निरीक्षण

कोण्डागांव/मूक पत्रिका

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई ने विकासखण्ड कोण्डागांव के ग्राम पंचायत गिरोला अन्तर्गत स्वीकृत एवं निर्माणाधीन आवासों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आवास हितग्राही हिरामती, मेहरारिन, सावित्री, दशाय से सीधे बातचीत कर निर्माण कार्य की प्रगति एवं समस्याओं की जानकारी ली। निर्माण कार्य की गुणवत्ता व सामग्री की स्थिति की मौके पर जांच की। संबंधित ग्राम पंचायत सचिव, पंचायत प्रतिनिधियों व तकनीकी अमले को अपूर्ण एवं धीमी प्रगति वाले आवासों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को शीघ्र दूर करने व निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता न किए जाने के निर्देश दिए गए। ग्राम पंचायत सचिव विद्या देवांगन को कार्य में लापरवाही बरतने पर कारण बताओ पत्र जारी करने एवं अप्रारंभ आवास को शीघ्र प्रारंभ कराने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कोंडागांव को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कोंडागांव उत्तम कुमार महोबिया, जिला/जनपद पंचायत के अधिकारी/कर्मचारी, ग्राम पंचायत सचिव व जनप्रतिनिधिगण मुख्य तौर पर उपस्थित रहे।

अति दूरस्थ एवं पहुंच विहीन ग्राम लावा (लौहा) में कलेक्टर ने लगाई चौपाल

किरंदुल/मूक पत्रिका

कुआकोंडा विकासखंड के अंतिम छोर पर स्थित लावा (लौहा) के ग्रामीणों ने कल्पना भी नहीं की थी कि जिले के कलेक्टर उनसे आत्मीय संवाद करके ग्राम के बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने की पहल करेगें। किरन्दुल मुख्य खनन एरिया से लगभग 8 किलोमीटर दूर दुर्गम पहाड़ी एवं घनघोर वनों से घिरा हुआ लावा गांव नैसर्गिक सुंदरता घने जंगल, ऊँचे-ऊँचे पेड़,पक्षियों की मधुर आवाज और छोटे-छोटे नालों की शांत धारा के बीच अवस्थित हैं।दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण यहां तक पहुंचना आसान नहीं है। पहाड़ों के बीच घुमावधार से गुजरने वाली पक्की डंडी मार्ग ही इसे किरन्दुल मुख्यालय से जोड़ती है। इसी क्रम में कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव गांव लावा पहुंचे और वहां की जमीनी हकीकत का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। इस दौरे में विशेष बात यह रही कि कलेक्टर सीईओ सहित अन्य विभागीय अमले भी पहाड़ी उबड़ खाबड़ रास्ते में पदयात्रा करते हुए लावा गावं का सफर तय किया। इस दौरान पहाड़ियां की पकडंडी चलते समय कलेक्टर की मुलाकात अंड़री गांव से आ रहे ग्रामीण लिंगा और कमलेश से हुई। कलेक्टर ने उनसे सामान्य बातचीत करते उनके किरंदुल जाने का कारण पूछा। तो दोनों ग्रामीणों ने बताया कि वे अपने आधार कार्ड में सुधार कराने के लिए किरंदुल जा रहे हैं। कलेक्टर ने इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि दूरस्थ अंचलों के लिए आधार सुधार सहित अन्य जनसेवा सुविधाएं गांव या नजदीकी पंचायत स्तर पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि ग्रामीणों को लंबी दूरी तय न करनी पड़े। अगर लावा (लोहा) गांव की बसाहट की बात करे तो यहां मात्र 15 घर हैं और लगभग 60 से 70 लोग ही निवास करते हैं। सीमित आबादी होने के बावजूद भौगोलिक दुर्गमता के कारण यहां तक शासकीय सेवाओं और सुविधाओं की पहुंच चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। इसी क्रम में गांव पहुँचकर कलेक्टर ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया और उनकी दैनिक समस्याओं व जरूरतों की जानकारी ली। ग्रामीणों ने उनके समक्ष पेयजल की समस्या के साथ-साथ सड़क निर्माण की आवश्यकता, पक्के आंगनबाड़ी, स्कूल, अस्पताल, विद्युत व्यवस्था जैसी आवश्यकताओं प्रमुखता से उठाया। इस पर कलेक्टर ध्रुव ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए नरेगा के माध्यम से पेयजल हेतु गांव में कुआं खोदने, सड़क निर्माण हेतु पहाड़ियों की पगडंडियों के चौड़ीकरण एवं समतलीकरण किए जाने बात कही ताकि दुपहिया एवं सायकल जैसे आवागमन के साधन आसानी से चलाये जा सके। इसके अलावा उन्होंने गांव में ही प्री-फेब्रिकेशन मॉडल के तहत स्कूल, आगंनबाड़ी, उप स्वास्थ्य केन्द्र एवं सामुदायिक भवन बनाने तथा सौर ऊर्जा के माध्यम से विद्युत व्यवस्था संचालन करने को निर्देश अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीणों से उनके कृषि के अलावा कुक्कुट, मत्स्य, पशुपालन जैसे रोजगारपरक व्यवसायों को अपनाने पर हर संभव विभागीय मदद देने की बात कही।

श्री खाटू श्याम बाबा भजन महोत्सव में पहुंचकर जय सिंह ने बाबा के भव्य श्रृंगार का किया दर्शन

कोरबा/मूक पत्रिका

पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने बांकीमोंगरा में आयोजित श्री खाटु श्याम भजन महोत्सव के कार्यक्रम में पहुंचकर खाटु नरेश श्री श्याम बाबा के भव्य श्रृंगार दर्शन किया और विधिवत् पूजा अर्चना कर कोरबा जिलावासियों के लिए सुख - समृद्धि, अमन - चैन, वैभव - ऐश्वर्य हेतु मंगलकामना की । इस मौके पर अग्रवाल ने कहा कि इन दिनों देश भर के विभिन्न स्थानों पर श्री खाटु श्याम भजन महोत्सव का भव्य आयोजन हो रहा है, जहां - निशान यात्रा, भजन संध्या एवं छप्पन भोग के साथ श्याम बाबा का दरबार सजाया जा रहा है । यहां भी श्री श्याम बाबा के भक्तजनों ने श्याम प्रेमियों को भाव विभोर कर देने वाला भजन संध्या का आयोजन किया है । जो सराहनीय है ।

ग्रीष्मकालीन धान की अवैध सिंचाई पर प्रशासन सख्त, विभागीय उड़नदस्ता टीम की कार्रवाई, 13 नग मोटर पंप जप्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ग्रीष्मकालीन धान की अवैध सिंचाई पर प्रभावी नियंत्रण हेतु प्रशासन द्वारा निरंतर निगरानी एवं सघन कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बीते दिवस विभागीय उड़नदस्ता टीम द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान नियमों का उल्लंघन करते हुए ग्रीष्मकालीन धान की सिंचाई करते किसानों को पकड़ा गया। उड़नदस्ता टीम ने कार्रवाई करते हुए ग्राम ताकम से 07, पाथरपूंजी से 02, सिंवार से 01 तथा सलधा से 03 नग मोटर पंप जप्त किए। इस प्रकार कुल 13 नग पंप जप्त कर नियमानुसार जब्ती की कार्यवाही की गई। जांच के दौरान पाया गया कि संबंधित कृषकों द्वारा जल संरक्षण एवं शासन के निर्देशों की अवहेलना करते हुए प्रतिबंधित अवधि में ग्रीष्मकालीन धान की सिंचाई की जा रही थी, जिससे भू-जल स्तर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। प्रशासन द्वारा पूर्व में ही किसानों को ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों की खेती अपनाने एवं जल के विवेकपूर्ण उपयोग हेतु निर्देशित किया गया है। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जल संरक्षण अधिनियम एवं संबंधित आदेशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही कृषकों से अपील की गई है कि वे शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए जल का सदुपयोग करें तथा वैकल्पिक, कम पानी वाली फसलों की ओर अग्रसर हों। प्रशासन ने यह भी चेतावनी दी है कि भविष्य में अवैध सिंचाई पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ संबंधित उपकरणों की जब्ती की कार्यवाही

आगामी नेशनल लोक अदालत, 14 मार्च, 2026 के सफल आयोजन हेतु न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ लिया गया बैठक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के अध्यक्षता में आगामी नेशनल लोक अदालत 14 मार्च, 2026 के सफल आयोजन हेतु अधिक से अधिक संख्या में राजस्व प्रकरण के निराकरण के संबंध में पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू बेमेतरा, मोहित सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्रीमती अनिता कोशिमा रावटे, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) प्रकाश कुमार भारद्वाज जिला बेमेतरा, की उपस्थिति में बैठक लिया गया। अध्यक्ष द्वारा पुलिस विभाग को न्यायालय से पक्षकारों को प्री-सीटिंग हेतु जारी किये जा रहे नोटिस की तामिली पर विशेष ध्यान दिये जाने एवं राजस्व न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य अधिक से अधिक मामले निराकृत किए जाने का निर्देश प्रदान किया गया। नेशनल लोक अदालत में राजीनामा के आधार पर निराकरण के लिए राजीनामा योग्य दाण्डिक प्रकरण, चैंक बाउन्स, के मामले, मोटरयान अधिनियम सं संबंधित प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, निष्पादन, बीमा, चेक बाउंस, भरण-पोषण के प्रकरण, परिवार न्यायालय से संबंधित प्रकरण, सिविल वाद, विद्युत, जलकर व सम्पत्ति कर, टेलीफोन, बैंक रिकवरी प्रकरण तथा राजस्व प्रकरणों को नियत किया गया है। अध्यक्ष महोदय द्वारा आगामी नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार बैनर, पोस्टर, फ्लैक्स लगा कर किये जाने के संबंध में भी चर्चा किया गया। पक्षकारों से आपसी सुलह एवं समझौते से प्रकरणों का निराकरण किये जाने हेतु अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने का प्रयास किये जाने के संबंध में चर्चा किया गया।

स्टेज IV बोन कैंसर से पीड़ित 11 वर्षीय बच्ची को मिला नया जीवन, पैर भी बचाया और फेफड़ों का कैंसर भी किया खत्म

फोर्टिस एस्कॉर्ट्स ओखला के डॉक्टरों ने रचा चिकित्सा इतिहास

नई दिल्ली/मूक पत्रिका

यह कहानी केवल आधुनिक चिकित्सा की सफलता नहीं, बल्कि एक 11 वर्षीय बच्ची और उसकी माँ के अदम्य साहस, धैर्य और उम्मीद की मिसाल है। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल, ओखला के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बाएं पैर में स्टेज ढ्ढङ्क बोन कैंसर से पीड़ित एक बच्ची का सफल इलाज कर उसे नया जीवन दिया है। खास बात यह रही कि कैंसर दोनों फेफड़ों तक फैल चुका था, इसके बावजूद न केवल बच्ची की जान बचाई गई, बल्कि उसका पैर भी सुरक्षित रखा गया। इस जटिल और चुनौतीपूर्ण मामले का सफल उपचार डॉ. आर्चित पंडित, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और डॉ. विनीत गोयल, सलाहकार, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के नेतृत्व में एक अनुभवी बहु-विषयक टीम द्वारा किया गया। अस्पताल पहुंचने के समय बच्ची चलने में असमर्थ थी। पैर में घातक ट्यूमर के कारण वह व्हीलचेयर और बैसाखियों पर निर्भर थी। लगातार दर्द, अस्पतालों के चक्कर और यह सुनना कि ÷पैर काटना ही एकमात्र विकल्प है÷ – इन सबने बच्ची और उसकी माँ को मानसिक रूप से तोड़ दिया था।लेकिन फोर्टिस एस्कॉर्ट्स ओखला के डॉक्टरों ने अंग विच्छेदन को अंतिम विकल्प मानने से इनकार करते हुए अंग संरक्षण सर्जरी का निर्णय लिया। ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञों की मदद से कैंसरग्रस्त हड्डी को निकालकर उसका पुनर्निर्माण किया गया। इस सर्जरी ने न केवल बच्ची का पैर बचाया, बल्कि उसे दोबारा खड़े होने और चलने की उम्मीद भी दी। इलाज यहीं समाप्त नहीं हुआ। जांच में सामने आया कि कैंसर दोनों फेफड़ों तक फैल चुका है। इसके बाद सुनियोजित उपचार के तहत बच्ची को कीमोथेरेपी के कई चरणों से गुजरना पड़ा। कुछ महीनों बाद क्रमशः बाएं और दाएं फेफड़े की मेटास्टेसेक्टॉमी सर्जरी की गई, जिसमें ट्यूमर के कई हिस्सों को सफलतापूर्वक निकाला गया।ये सभी सर्जरी रोबोटिक और ङ्कञ्जस (वीडियो-असिस्टेड थोराकोस्कोपिक सर्जरी) जैसी आधुनिक न्यूनतम चीर-फाड़ तकनीकों से की गई, जिससे बच्ची को कम दर्द हुआ और वह तेजी से स्वस्थ हुई।इलाज की पूरी अवधि के दौरान बच्ची ने असाधारण साहस दिखाया। थकान, डर और तकलीफ के बावजूद वह डटी रही, जबकि उसकी माँ हर कदम पर उसके साथ चट्टान की तरह खड़ी रहीं।मामले पर जानकारी देते हुए डॉ. आर्चित पंडित ने कहा,÷सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, सटीक कीमोथेरेपी और न्यूनतम चीर-फाड़ वाली फेफड़ों की सर्जरी में हुई प्रगति ने उन्नत कैंसर से पीड़ित बच्चों के इलाज के परिणामों को पूरी तरह बदल दिया है। आज यह बच्ची बिना सहारे के चल रही है, कैंसर मुक्त है और सामान्य जीवन की ओर लौट रही है। यह साबित करता है कि फेफड़ों में मेटास्टेसिस के साथ स्टेज ढ्ढङ्क बोन कैंसर भी सही उपचार से ठीक किया जा सकता है।÷यह सफलता कहानी उन परिवारों के लिए आशा की किरण है जो उन्नत बाल कैंसर से जूझ रहे हैं। यह संदेश साफहै–स्टेज ढ्ढङ्क कैंसर जीवन का अंत नहीं है। सही समय पर सही इलाज, विशेषज्ञ डॉक्टर और परिवार का साथ हो, तो चमत्कार संभव है। अगर आप चाहें तो मैं इसेप्रेस रिलीज़,अखबार कटिंग स्टाइल, या सोशल मीडिया पोस्ट के रूप में भी ढाल सकता हूँ।

18 माह के जनगणना कार्य के लिए कर्मचारी उपलब्ध कराने 25 फरवरी तक प्रस्ताव आमंत्रित

सारंगढ़- बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

भारत की जनगणना-2027 कार्य के लिए जिला कार्यालय सारंगढ़- बिलाईगढ़, समस्त तहसीलों एवं नगरीय निकायों में 15 तकनीकी सहायक एवं 01 मल्टी-टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) कार्मिक की माह-जनवरी 2026 से जून-2027 तक कुल 18 माह की अवधि के लिए एजेन्सी के माध्यम से नियुक्ति किया जाना है। इस हेतु इच्छुक पंजीकृत फर्मो, प्लेसमेंट एजेंसी, लेबर सप्लायर, कांट्रेक्टर, रजिस्टर्ड एनजीओ से जेम पोर्टल के माध्यम से टेंडर 25 फ़रवरी 2026 तक आमंत्रित हैं। प्राप्त निविदा 26 फ़रवरी 2026 को दोपहर 02 खोला जायेगा। निविदा की शर्ते, प्रारूप आदि विस्तृत जानकारी के लिए जेम पोर्टल, जिले की वेबसाईट सारंगढ़ बिलाईगढ़ डॉट सीजी डॉट जीओवी डॉट इन https://sarangarh-bilaigarh.cg.gov.in एवं जिला कार्यालय के सूचना पटल में अवलोकन किया जा सकता है।

गुरु खुशवंत साहेब के प्रयासों से आरंग में धर्म, संस्कृति एवं आस्था के केंद्रों के विकास को मिली नई गति

गुरु खुशवंत साहेब के नेतृत्व में आरंग में सर्वांगीण विकास

सड़क-पुल के बाद अब आस्था का विकासः गुरु खुशवंत साहेब के नेतृत्व में आरंग को मिली सौगात

गुरु खुशवंत साहेब का संकल्पः आरंग में विकास के साथ-साथ धर्म और संस्कृति का संरक्षण

आरंग /रायपुर/मूक पत्रिका

विधानसभा क्षेत्र आरंग में सड़क, सुगम परिवहन, पुल-पुलिया, भवन एवं रोड निर्माण जैसे बुनियादी विकास कार्य निरंतर गति पकड़ रहे हैं। इसी क्रम में माननीय मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी के नेतृत्व में क्षेत्र के धर्म, संस्कृति, सभ्यता एवं आस्था के केंद्रों को सहेजने और सशक्त करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। छत्तीसगढ़ शासन के धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025ङ्क26 के अंतर्गत आरंग विधानसभा क्षेत्र में स्थित विभिन्न मंदिरों के जीर्णोद्धार एवं धर्मशाला निर्माण हेतु कुल ?55 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है।

यह स्वीकृति क्षेत्र के प्रति गुरु खुशवंत साहेब जी की संवेदनशील सोच और उनके सतत प्रयासों का प्रत्यक्ष परिणाम मानी जा रही है।स्वीकृत राशि के अंतर्गत आरंग क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में स्थित शिव मंदिर, गणेश मंदिर, शीतला मंदिर, सतनामी पारा, बाबा गुरु घासीदास मेला स्थल सहित अन्य धार्मिक स्थलों में जीर्णोद्धार एवं धर्मशाला निर्माण कार्य किए जाएंगे। इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी तथा क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण सुनिश्चित होगा। इस अवसर पर मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने कहा कि आरंग में विकास की दिशा केवल सड़क, पुल, भवन और रोड तक सीमित नहीं है। हमारी सरकार का उद्देश्य है कि धर्म, संस्कृति, सभ्यता और आस्था के केंद्रों को भी समान रूप से सशक्त किया जाए, क्योंकि यही हमारी पहचान और सामाजिक एकता की नींव हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत कार्य समयबद्ध, पारदर्शी एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं।

इस निर्णय से आरंग क्षेत्र के नागरिकों एवं श्रद्धालुओं में उत्साह का वातावरण है और क्षेत्र में सर्वांगीण विकास की अवधारणा को नई मजबूती मिली है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल तथा वित्त मंत्री ओपी चौधरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों को बधाई दी गई।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में सुशासन और अंत्योदय का संकल्प हो रहा सिद्ध : देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा : छत्तीसगढ़ ने रचा इतिहास, 10 माह में 5 लाख पीएम आवास बनाकर स्थापित किया राष्ट्रीय कीर्तिमान

रायपुर/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने छत्तीसगढ़ की प्रदेश भाजपा सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मात्र 10 माह 4 दिनों की अल्पावधि में 5 लाख आवासों का निर्माण पूर्ण कर देश में सर्वाधिक आवास बनाने का राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित करने पर राज्य सरकार को बधाई दी है। श्री देव ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रभावी नेतृत्व की बड़ी उपलब्धि बताया है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने औसतन 1600 से अधिक आवास प्रतिदिन बनाकर देश में एक नई मिसाल कायम की है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि योजना के प्रारंभ से अब तक पहली बार छत्तीसगढ़ ने किसी एक वित्तीय वर्ष में इतनी बड़ी संख्या में गरीबों के सिर पर छत सुनिश्चित की है। यह राज्य सरकार की स्पष्ट नीति, प्रशासनिक समन्वय और जमीनी स्तर पर समर्पित कर्मचारियों की मेहनत का सुखद परिणाम है। श्री देव ने प्रधानमंत्री आवास योजना में जिलों और जनपदों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए बताया कि बिलासपुर जिले में 29,235 आवास, महासमुंद जिले में 27,224 आवास, बलरामपुर जिले में 27,012 आवास, कोरबा जिले में 26,839 आवास और रायगढ़ जिले में 26,707 आवास बनाए गए, वहीं मस्तूरी, आरंग, डभरा, बिल्हा, पाली और जैजैपुर जैसी जनपद पंचायतों का उल्लेखनीय योगदान भी प्रशंसनीय रहा, जहाँ प्रत्येक ने 7,500 से अधिक आवासों का निर्माण पूरा किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने इस उपलब्धि को गरीबों का सम्मान और समावेशी विकास का प्रतिबिम्ब बताया और कहा कि भाजपा सरकार के लिए प्रधानमंत्री आवास केवल ईंट-पत्थर का ढाँचा नहीं, बल्कि गरीब परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य का आधार है। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में सरकार ने आवास निर्माण को आजीविका, कौशल प्रशिक्षण और महिला सशक्तीकरण से जोड़कर इसे समग्र विकास का माध्यम बनाया है। श्री देव ने कहा कि यह कीर्तिमान छत्तीसगढ़ की सुशासन आधारित विकास नीति की सफलता को दर्शाता है। पिछली बाधाओं को पार करते हुए साय सरकार ने 'अंत्योदय' के लक्ष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, जिससे आज प्रदेश

10 साल के इंतजार के बाद बन रही सड़क में भ्रष्टाचार का डामर, अधिकारियों की चुप्पी पर उठे सवाल

भानुप्रतापपुर/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत दुर्गुकोंदल से कोदापखा तक बन रही लगभग 11 किलोमीटर की सड़क भ्रष्टाचार और विभागीय लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। ग्रामीणों के लंबे संघर्ष और आंदोलनों के बाद स्वीकृत हुई यह सड़क, ठेकेदार की मनमानी और अधिकारियों की कमीशनखोरी के चलते अपनी गुणवत्ता खो रही है। मौके पर निर्माण कार्य की स्थिति बेहद चिंताजनक है। तकनीकी मापदंडों के अनुसार सड़क की नींव यानी डब्लू एम एम का कार्य सही ढंग से नहीं किया गया है। न तो पर्याप्त पानी डाला गया और न ही वाइब्रेट हुआ। ठेकेदार द्वारा बिना डब्लूएमएम को व्यवस्थित किए सीधे इमल्शन डालकर डामरीकरण किया जा रहा है, जिससे सड़क की उम्र पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा हो गया है।

फील्ड से गायब इंजीनियर, दफ्तरों में 'आराम' - शुक्रवार को जब डामरीकरण का कार्य चल रहा था, तब विभाग का एक भी जिम्मेदार अधिकारी या इंजीनियर मौके पर मौजूद नहीं था। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि

ठेकेदार को अधिकारियों का पूरा संरक्षण प्राप्त है - निरीक्षण न करने के एवज में अधिकारियों तक मोटी कमीशन पहुँचाई जा रही है। कार्यस्थल पर डामर की गुणवत्ता जांचने के लिए जरूरी मशीनें तक उपलब्ध नहीं हैं। सड़क निर्माण कार्य को ठेकेदार के भरोसे छोड़ कार्यालय में आराम फरामन्ते है अधिकारी।

बिना सूचना बोर्ड के गुपचुप निर्माण - हैरानी की बात यह है कि सड़क निर्माण शुरू होने के बावजूद अभी तक कार्यस्थल पर सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया है। ग्रामीण यह तक नहीं जानते कि सड़क की लागत क्या है और इसमें किस गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग होना है। जब इस संबंध में विभाग से पूछा गया, तो इंजीनियर का तर्क था कि बोर्ड बनने दिया गया है जबकि सड़क बनकर तैयार होने की कगार पर है। लेकिन बोर्ड निर्माण अभी तक नहीं किया गया है।

आंदोलन से मिली थी सड़क, अब भ्रष्टाचार से नाराजगी - कोदापखा क्षेत्र के ग्रामीणों ने इस सड़क के लिए लंबा संघर्ष किया है। प्रशासन को जगाने के लिए कभी कीचड़ भरी सड़क पर धान की रोपाई की गई, तो कभी दुर्गुकोंदल तक पैदल यात्रा निकाली गई। 10 साल के कड़े इंतजार के बाद मिली सड़क को इस तरह बर्बाद होते देख स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है की जिस बुनियाद पर डामर बिछाया जा रहा है, वह इतनी कमजोर है कि पहली बारिश में ही सड़क उखड़ने लगेगी। यह जनता के पैसे और हमारे संघर्ष का अपमान है।

विधायक ने किबई बालेंगा में 64 छात्राओं को बांटे निःशुल्क सायकल

कोण्डागांव/मूक पत्रिका

बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधानसभा क्षेत्र की विधायक लता उसेंडी के मुख्य आतिथ्य में ग्राम किबई बालेंगा में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर उन्होंने पर विकासखण्ड कोड़ागांव के शासकीय उच्चत्तर माध्यम विद्यालय किबई बालेंगा 64 छात्राओं को राज्य शासन द्वारा संचालित निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत सायकलों का एवं खेल सामग्री वितरण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत किबई बालेंगा गंगामुण्डा में 5 लाख 20 हजार की लागत से बनने वाली 200 मीटर सीसी सड़क का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उसेंडी ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा बहुत जरूरी है। सायकल योजना से ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलेगी, जिससे विद्यालय में उनकी उपस्थिति बढ़ेगी और वे उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत है।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रीता सोरी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष टोमेन्द्र ठाकुर, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कथा स्थल पहुंचकर पूर्व मंत्री ने व्यास पीठ से लिया आशीर्वाद

कोरबा/मूक पत्रिका

शारदा बिहार कोरबा में देवेन्द्र श्रीवास परिवार के तत्वाधान में श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का भव्य आयोजन किया गया है। कथा के पांचवे दिन पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, आयोजन स्थल पहुंचकर श्रीमद भागवत कथा का श्रवण किया। इस मौके पर श्री अग्रवाल ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में संस्कार, सदभाव, आध्यात्मिक चेतना के प्रसार के साथ - साथ भातृत्व भाव की भावना जागृत होती है। श्री अग्रवाल ने कहा कि जनवरी-फरवरी माह में देश के विभिन्न स्थानों पर श्रीराम कथा अखण्ड नवधा रामायण, श्रीमद भागवत कथा, श्री श्याम भजन महोत्सव का धुमधाम के साथ आयोजन हो रहा है। इस मौके पर पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कथावाचक पंडित श्री अनिल शर्मा जी से आशीर्वाद लिया। कथा व्यास पीठ से पंडित जी ने अपनी अमृतमयी वाणी से भगवान श्री कृष्ण एवं सुदामा के चरित्र का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि सुदामा चरित्र के माध्यम से सच्ची मित्रता, भक्ति, त्याग और समर्पण का मार्मिक संदेश मिलता है ।

तमनार पहुंचे एसएसपी शशि मोहन सिंह, बोले- नशा अपराध की जड़, समाज की सहभागिता जरूरी

कोडकेल में हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड व 'आगाज' संस्था के संयुक्त पहल पर 'युवा संकल्प' नशामुक्ति अभियान का भव्य आयोजन

रायगढ़/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह द्वारा थाना तमनार का भ्रमण करते हुए ग्राम पंचायत कोडकेल के स्कूल प्रांगण में हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड एवं आगाज-एक नई पहल संस्था' द्वारा आयोजित युवा संकल्प दृ नशे से मुक्ति की पहल, नशामुक्त समाज विषय पर एक सराहनीय एवं जनजागरूकता कार्यक्रम में सहभागिता की गई। इस दौरान युवा संकल्प अभियान के तहत नशामुक्ति को लेकर ग्रामीणों एवं युवाओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के सुशांत बनर्जी, उप पुलिस अधीक्षक रायगढ़, थाना प्रभारी तमनार निरीक्षक कमला पुसाम ठाकुर तथा 10 ग्राम पंचायतों के सरपंच, पंचायत प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कोडकेल के ग्रामवासी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। बच्चों द्वारा अतिथियों का तिलक, श्रीफल एवं पुष्पमालाओं से आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शशि मोहन सिंह द्वारा नशामुक्ति के संदेश के साथ गीत ÷नशा नाश की जड़ है भैया÷ का लोकार्पण क्लैप बोर्ड के माध्यम से किया गया। इसी गीत पर मिडिल स्कूल के बच्चों द्वारा ग्रामीणों के समक्ष सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। कोटरापाली की लोककला संस्था 'अंगना के देवना' द्वारा प्रस्तुत प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक ने नशे के दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से दर्शाते हुए ग्रामवासियों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों ने कोडकेल को नशामुक्त पंचायत बनाने का सामूहिक संकल्प लिया तथा एक माह के भीतर पंचायत को पूर्ण रूप से नशामुक्त बनाने हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की। अपने संबोधन में पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने कहा कि अपराध की जड़ में नशा एक बड़ा कारण है और इसी को देखते हुए रायगढ़ पुलिस द्वारा शराब व अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जिलेभर में महाअभियान चलाया जा रहा है। नशा केवल शराब या गांजा जैसे पदार्थों तक सीमित नहीं है, बल्कि हर वह आदत या प्रवृत्ति भी नशा है, जो व्यक्ति के भीतर अपराध की भावना को बढ़ावा देती है। उन्होंने युवाओं से नशे को अपने जीवन पर हावी न होने देने का आह्वान किया।

एनटीपीसी लारा ने स्थानीय युवाओं के लिए एक कुशल भविष्य की शुरुआत की

रायगढ़/मूक पत्रिका

कौशल विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक मजबूत कदम उठाते हुए, एनटीपीसी लारा ने अपनी मजबूत नैगम सामाजिक दायित्व पहल के तहत, स्थानीय युवाओं के एक बैच को कोरबा में वोकेशनल ट्रेनिंग के लिए रवाना किया, जो समावेशी विकास और स्थायी आजीविका के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन सुभाष ठाकुर, परियोजन7ा प्रमुख एनटीपीसी लारा ने केशव चंद्र सिंघा रॉय (महाप्रबन्धक, प्रचालन एवं अनुरक्षण), हेमंत पावगी (महाप्रबंधक, परियोजना), जाकिर खान (अपर महाप्रबंधक, मानव संसाधन), मनीष कुमार (अपर महाप्रबंधक-तकनीकी सेवाएँ), एनटीपीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, गौरवान्वित माता-पिता और महत्वाकांक्षी प्रशिक्षुओं की गरिमामयी उपस्थिति में किया - जो आशा, अवसर और परिवर्तन के एक क्षण को चिह्नित करता है। तीन महीने का यह गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोरबा में असिस्टेंट मशीन ऑपरेटर दृ इंजेक्शन मोल्डिंग के विशेष ट्रेड में आयोजित किया जाएगा, जो युवाओं को उद्योग-प्रासंगिक, भविष्य के लिए तैयार कौशल से लैस करेगा। इस पहल का उद्देश्य शिक्षा और रोजगार के बीच के अंतर को पाटना है, जिससे प्रतिभागियों को स्थायी आजीविका के अवसर सुरक्षित करने और औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में सार्थक योगदान करने में सक्षम बनाया जा सके। प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए, सुभाष ठाकुर, परियोजना प्रमुख एनटीपीसी लारा ने एक प्रेरणादायक संदेश दिया, जिसमें युवाओं से अटूट समर्पण, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ प्रशिक्षण को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कौशल विकास केवल रोजगार का मार्ग नहीं है, बल्कि सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और दीर्घकालीन रोजगार क्षमता का एक उपकरण है। ऐसी परिवर्तनकारी नैगम सामाजिक दायित्व पहलों के माध्यम से, एनटीपीसी लारा लगातार रास्ता दिखा रहा है- आकांक्षाओं को क्षमताओं में और युवाओं को कुशल पेशेवरों में बदल रहा है, समुदायों को मजबूत कर रहा है और उनकी क्षमता को उजागर करके एक समृद्ध भविष्य बना रहा है, जिससे राष्ट्र को शक्ति मिल रही है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप और विधायक श्री किरण सिंह देव ने किया लोकार्पण

बस्तरवासियों को मिली 'जनजातीय गौरव वाटिका' की अनमोल सौगात

रायपुर/मूक पत्रिका

शहर की आपाधापी, धूल और शोर-शराबे से दूर, बस्तरवासियों को प्रकृति की गोद में सुकून के पल बिताने के लिए शुक्रवार को एक भव्य और अनमोल ठिकाना मिल गया। बस्तर की समृद्ध जनजातीय विरासत, परंपरा और नैसर्गिक सौंदर्य को एक सूत्र में पिरोने के उद्देश्य से कुम्हड़ाकोट में निर्मित 'जनजातीय गौरव वाटिका' का लोकार्पण छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप और विधायक किरण सिंह देव ने किया। लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुई यह वाटिका अब जनता के लिए समर्पित कर दी गई है, जो न केवल पर्यटन का नया केंद्र बनकर उभरी है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक अनूठी मिसाल पेश कर रही है। बीते शुक्रवार शाम आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, विधायक किरण देव के साथ जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप और

छत्तीसगढ़ बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी, सीसीएफ आलोक तिवारी, स्टायलो मंडावी, संचालक कांगेर वैली सहित अन्य प्रमुख स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। लोकार्पण के पश्चात उपमुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों ने वाटिका का अवलोकन किया। वन मंडलाधिकारी उत्तम कुमार गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान अतिथियों को अवगत कराया कि करीब 25 एकड़ के विशाल क्षेत्र में फैले इस प्रोजेक्ट को शुरुआत में एक हेल्थ पार्क के रूप में परिकल्पित किया गया था, जिसे बाद में एक भव्य वाटिका का रूप दिया गया। उपमुख्यमंत्री ने यहाँ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिकों के लिए बनाए गए 1700 मीटर लंबे वॉकिंग ट्रेल, योगा शेड, योगा ज़ोन और ओपन जिम जैसी आधुनिक सुविधाओं की सराहना की। उन्होंने वॉकिंग ट्रेल के बीच-बीच में बनाए गए 'गपशप ज़ोन' और पारिवारिक आयोजनों के लिए निर्मित पाँच सुंदर पगोड़ा को भी देखा, जो अब पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन चुके हैं। वाटिका भ्रमण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने यहाँ की 'इको-फ्रेंडली' नीति और 'प्लास्टिक फ्री ज़ोन' के नियम को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। वाटिका के बीच में निर्मित तालाब और आइलैंड ने सभी का मन मोह लिया। आगंतुकों की सुविधाओं के लिए प्रवेश द्वार पर भव्य पार्किंग और प्रसाधन की व्यवस्था भी सुचारू रूप से शुरू हो गई है। वन विभाग द्वारा भविष्य में यहाँ ट्री-हाउस बनाने और एडवेंचर स्पोर्ट्स शुरू करने की योजना की जानकारी भी दी गई। उपमुख्यमंत्री शर्मा द्वारा किए गए इस लोकार्पण के साथ ही अब 'जनजातीय गौरव वाटिका' बस्तर के पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थल के रूप में अंकित हो गई है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा वन मंत्री केदार कश्यप द्वारा विभिन्न स्व-सहायता समूहों और हितग्राहियों को कुल 1 करोड़ 22 लाख रुपये से अधिक की राशि के चेक वितरित किए। इस पहल के माध्यम से शासन ने वनांचल में स्वरोजगार को बढ़ावा देने और वन आश्रित परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने 'वृत्त स्तरीय चक्रीय निधि' के तहत महिला स्व-सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 1 करोड़ 20 लाख 13 हजार रुपये का ऋण वितरित किया। इसमें सबसे बड़ी राशि बकावण्ड के 'मां धारणी करणी स्व-सहायता समूह' को प्रदान की गई, जिन्हें काजू प्रसंस्करण और विपणन जैसे बड़े कार्यों के लिए 50 लाख रुपये का चेक सौंपा गया। इसी कड़ी में, आसना के 'गोधन स्व-सहायता समूह' को गाय पालन के लिए 34 लाख रुपये की राशि दी गई। इसके अतिरिक्त, श्री शर्मा ने घोटिया और भानपुरी के समूहों को इमली संग्रहण व प्रसंस्करण के लिए क्रमशः 13.13 लाख और 13 लाख रुपये तथा कोलेंग की समिति को दोना-पत्तल निर्माण हेतु 10 लाख रुपये की राशि वितरित कर स्थानीय उद्यमों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार को संबल भी प्रदान किया। उन्होंने 'राजमोहनी देवी तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा बीमा योजना' के तहत कुरंदी निवासी कमलोचन नाग को 2 लाख रुपये की बीमा राशि का चेक सौंपा। यह सहायता राशि उनकी पत्नी स्वर्गीय भारती नाग के आकस्मिक निधन के पश्चात स्वीकृत की गई थी। उप मुख्यमंत्री द्वारा किया गया यह वितरण न केवल लाभार्थियों के लिए आर्थिक मदद है, बल्कि बस्तर के सुदूर वनांचलों में रोजगार और सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक ठोस कदम भी है। इस दौरान उपस्थित महिला समूहों के सदस्यों से इमली, काजू के प्रोसेसिंग की गतिविधियों का संज्ञान लेकर बाजार की उपलब्धता एवं मार्केटिंग की व्यवस्था के संबंध चर्चा किए ।

संपादकीय

बजट में दिख रहा विकसित भारत का रोडमैप

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर जिस तरह की वैश्विक चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, नए समीकरण तैयार हो रहे हैं, उसमें सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए ऐसा बजट पेश करना एक चुनौती भरा काम है, जो संतुलित हो और जिसमें लोकलुभावन प्रस्तावों से बचने की कोशिश की जाए। सरकार का मानना है कि देश अब तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए दृढ़ संकल्पित है और 2026-27 का आम बजट भविष्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया। किसी भी बजट की उपादेयता इससे साबित होती है कि वह देश की आर्थिक मजबूती में कितना सहायक साबित हुआ और उसका आम जनता के जीवन पर क्या असर पड़ा। इस लिहाज से देखें तो रविवार को पेश बजट को व्यापार और पूंजी के क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों के साथ-साथ भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजारों के साथ तालमेल बिठाते हुए अधिक निर्यात और स्थिर दीर्घकालिक निवेश को आकर्षित करने वाला कहा जा सकता है। यों इस बजट को गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के हितों के संदर्भ में उम्मीद जगाने वाले प्रयास के तौर पर देखा जा सकता है, मगर कोई लोकलुभावन घोषणाओं से बचते हुए यथार्थवादी दृष्टिकोण पर जोर दिया गया। युवा वर्ग के सशक्तीकरण के मकसद से शिक्षा क्षेत्र में लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। इसके तहत पचास नए आइआइटी और मेडिकल कालेज खोले जाने की बात कही गई है। साथ ही कौशल के विकास के उद्देश्य से 'स्किल इंडिया' कार्यक्रम को जमीन पर उतारने के लिए दो लाख करोड़ रुपए और प्रशिक्षु योजना से पांच करोड़ युवाओं को छात्रवृत्ति की व्यवस्था की जाएगी। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों यानी एमएसएमई के क्षेत्र में मदद के साथ ही रोजगार केंद्रित विकास को प्रमुखता दी जाएगी। दरअसल, देश में आज भी विकास के सारे सवाल बढ़ती बेरोजगारी के सामने चुनौती की तरह लगने लगते हैं। इसके मद्देनजर बजट में बेरोजगारी दर को आठ फीसद से नीचे लाने का संकल्प जाहिर किया गया है। मगर सारे निवेश और कार्यक्रम की कामयाबी इस बात पर निर्भर करेगी कि शहरों-महानगरों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी रोजगार के कितने अवसर सृजित हुए और उसमें हिस्सेदारी करने के लिए कौशल की कसौटी पर कितनी प्रशिक्षित युवा आबादी तैयार हुई। इसी तरह, लक्ष्मी वंदना योजना को विस्तार दिया गया है और स्वरोजगार ऋण के नियम शिथिल किए गए, ताकि महिला सशक्तीकरण की दिशा में ठोस नतीजे हासिल किए जा सकें। मगर यह देखने की बात होगी कि इससे जमीनी स्तर पर लैंगिक समानता की स्थितियों को सशक्त बनाने में कितनी मदद मिलेगी।

विदेशी समाचार माध्यमों और समाचार एजेंसियों की नजर में यह बजट एक तरह से क्रांतिकारी है। दुनिया की जानी-मानी आर्थिक समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग का कहना है कि भारत ने अपने बजट में 133 बिलियन का इंफास्ट्रक्चर दांव लगाया है। इसके जरिए भारत अपने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को सुपरचार्ज करने की तैयारी में है। अंग्रेजी में एक मुहावरा है, टू रॉब पीटर टू पे पॉल। हिंदी में इसका मतलब होगा, पीटर से लेकर पॉल को देना। दुनिया की हर सरकारों के बजट के लिए इस मुहावरे का बखूबी इस्तेमाल होता है। मीडिया भी हर बजट के दिन एक खबर जरूर बनाता है, रूपया आएगा कहां से और जाएगा कहां। इसका भी मतलब इस मुहावरे जैसा ही। बजट प्रबंधन में दुनियाभर की सरकारें एक व्यक्ति या स्रोत से लेकर दूसरे को उपलब्ध कराती रही हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि हर बजट ऐसा ही होता है।

लोकलुभावन की बजाय आर्थिक सेहत ठीक करने वाला बजट

(उमेश चतुर्वेदी)

लोकसभा में साल 2026-27 के लिए प्रस्तुत बजट को इस मुहावरे से कुछ हद तक दूर रखा जा सकता है। बजट प्रस्तावों की मीमांसा होती रहेगी, लेकिन फौरी तौर पर देखें तो कुछ चीजें साफ होती हैं। इस बजट के बारे में कह सकते हैं कि यह लोकलुभावन नहीं है। साल 2024-25 और 2025-26 के बजट को देखें तो उन दिनों मोदी सरकार पर जनता से किए गए वायदों को पूरा करने का दबाव था। इसलिए बीते दोनों बजट में लोकलुभावन घोषणाएं की गईं। वैसे भारतीय राजनीति की रवायत बन चुकी है कि ऐन चुनावों से पहले आने वाले बजट प्रस्तावों में उस राज्य विशेष जहां चुनाव होने हैं, के लिए लुभावनी घोषणाओं की बाढ़ आ जाती है। कुछ ही महीनों बाद पांच महत्वपूर्ण राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। पश्चिम बंगाल पर बीजेपी जहां कब्जे की कोशिश में दिन-रात एक किए हुए हैं, वहीं प्रश्न प्रदेश बने तमिलनाडु में भी अपनी ताकतवर उपस्थिति जताने के लिए जोर लगाए हुई है। तमिलनाडु के पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश पुद्दचेरी में भी चुनाव होने हैं। इसी तरह बीजेपी की कोशिश गॉड'स ओन कंट्री यानी भगवान के अपने घर केरल में कमल का फूल खिलाने की है। जबकि असम में तीसरी बार सत्ता हासिल करने के लिए मुतमइन है। राजनीतिक रवायत के मुताबिक, मौजूदा बजट प्रस्तावों में इन राज्यों के लिए घोषणाओं की बाढ़ आनी चाहिए थी। लेकिन तमिलनाडु से आने वाली निर्मला सीतारमण ने अपने नौंवे बजट में ऐसा कुछ भी नहीं किया। इस लिहाज से यह बजट भारतीय राजनीति का नया चेहरा प्रस्तुत कर रहा है।

इस बजट के बारे में कहा जा सकता है कि यह लोकलुभावन घोषणाओं की बजाय संरचनात्मक सुधारों, विनिर्माण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई जैसे भविष्य के क्षेत्रों पर केंद्रित है। इस बजट में जिस तरह शी मार्ट के जरिए महिला उद्योगपतियों को प्रोत्साहन देने की बात है, बेकार और अनुपयोगी हो चुके कानूनों को बदलने के लिए समिति बनाने का का प्रस्ताव है या सात हाईस्पीड रेल कॉरीडोर बनाने की बात है या फिर ग्रामीण बजट को बढ़ावा दिया गया है, या फिर मनरेगा की जगह पर आए नए कानून जी राम जी को जबरदस्त प्रोत्साहन दिया गया है, उस वजह से यह बजट अलग स्वरूप लिए हुए दिख रहा है। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने इसे वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका को सशक्त बनाने वाला बजट बताया है। हालांकि पूर्व वित्त मंत्री और अर्थशास्त्री पी

चिदंबरम् मानते हैं कि इस बजट प्रस्ताव में सरकार चीन और अमेरिकी दबाव में दिख रही है।

लेकिन विदेशी समाचार माध्यमों और समाचार एजेंसियों की नजर में यह बजट एक तरह से क्रांतिकारी है। दुनिया की जानी-मानी आर्थिक समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग का कहना है कि भारत ने अपने बजट में .133 बिलियन का इंफ्रास्ट्रक्चर दांव लगाया है। इसके जरिए भारत अपने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को सुपरचार्ज करने की तैयारी में है। इसके साथ ही ब्लूमबर्ग ने बजट में 12.2 लाख करोड़ के कैपेक्स को ग्लोबल सप्लाई चेन के लिए बड़ा संकेत माना है। दुनिया की सबसे बड़ी समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने इन बजट प्रस्तावों को लेकर कहा है कि भारत के इस बजट में वित्तीय अनुशासन बनाम विकास का द्वंद्व दिख रहा है। एजेंसी कहती है कि बजट प्रस्ताव में मोदी सरकार ने 4.3 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य रखा है। इसी तरह उसने बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाया। मोदी सरकार के ये कदम नए बदलाव के प्रतीक हैं। ब्रिटेन से प्रकाशित होने वाले प्रसिद्ध आर्थिक अखबार फाइनेंशियल टाइम्स ने मोदी सरकार के बजट को लेकर कहा है कि यह ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भारत का स्थिर कदम है। इस बजट के जरिए भारतीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने निवेश और राजकोषीय विवेक के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है। दुनिया की जानी-मानी पत्रिका फोर्ब्स ने 2026 के बजटको लेकर एक तरह से हैरत जताते हुए सवाल पूछ लिया है कि क्या सेमीकंडक्टर और एआई के क्षेत्र मे निवेश भारत को टेक्निकल दुनिया का सुपरपावर बनाएगा? दुनिया की दूसरी बड़ी समाचार एजेंसी एएफपी ने भारत के बजट में बुनियादी ढांचे के लिए रिकॉर्ड 133 अरब डॉलर देने के वादे का स्वागत किया है। कुछ ऐसी ही प्रतिक्रियाएं दूसरी संस्थाओं की भी है। मशहूर रेटिंग एजेंसी मूडीज ने इस बजट को 'टैक्टिकल' यानी रणनीतिक करार दिया है। मूडीज का मानना है कि यह बजट क्रेडिट प्रोफाइल में तुरंत बदलाव नहीं करेगा, लेकिन भारत की आर्थिक स्थिरता के लिए अच्छा है। इन प्रतिक्रियाओं में प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिक्रिया को भी जोड़ सकते हैं, जिन्होंने इसे रिफॉर्म एक्सप्रेस बताया है। देश का सबसे बड़ा आयकर दाता मध्य वर्ग ही है। उसे उम्मीद थी कि इस बार के बजट में आयकर पर किंचित ही सही, छूट मिलेगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इससे उसे थोड़ी निराशा तो जरूर हुई है। बीबीसी और अल जजीरा जैसे चैनलों ने इस मुद्दे को अपनी रवायत के मुताबिक अपनी समीक्षाओं में प्रमुखता दी है। दोनों ही समाचार संस्थानों ने भारतीय विपक्षी नेताओं और आर्थिक-तकनीकी विशेषज्ञों के हवाले से लिखा है कि आयकर स्लैब में बदलाव न होने से मध्यम वर्ग को उतनी राहत नहीं मिली, जितनी उम्मीद थी। सरकारी कर्मचारी उम्मीद कर रहे थे कि आठवें वेतन आयोग को लेकर भी बजट में कोई बड़ी चर्चा या ऐलान हो सकता है। लेकिन निर्मला सीतारमण ने इससे परहेज किया।

इसका यह मतलब नहीं कि बजट में आम आदमी का ध्यान नहीं रखा गया है। बजट में कुछ बेहतरीन घोषणाएं भी हुई हैं। महिला उत्थान और सशक्तीकरण की बात खूब की जाती है, लेकिन गांवों या छोटे शहरों से बड़े शहरों में पढ़ाई या नौकरी के लिए आने वाली लड़कियों की सहूलियतों पर कम ही ध्यान दिया जाता रहा है। लेकिन इस बार बजट में उनका ध्यान रखा है। बजट में हर जिले में महिला छात्रावास बनाने का प्रस्ताव किया गया है। बजट का यह फैसला लड़कियों को कॉलेज और नौकरियों तक पहुंचाने में बहुत मददगार साबित होगा। मां-बाप भी बिना किसी डर के सरकारी हास्टलों में अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए भेज सकेंगे। इससे न केवल पढ़ाई बीच में छोड़ने वाली लड़कियों की संख्या कम होगी, बल्कि लड़कियां खुद को ज्यादा सुरक्षित और आत्मनिर्भर महसूस करेंगी। पढ़ाई के साथ-साथ जो अपना छोटा-मोटा काम करने या स्टार्टअप चलाने वाली महिलाओं के लिए भी बजट में घोषणा हुई है। सरकार ने 'शी मार्ट्स' नामक प्लेटफॉर्म शुरू करने का फैसला किया है। ये ऐसे बाजार या प्लेटफॉर्म होंगे, जहां सिर्फ महिला उद्यमी, स्वयं सहायता समूह और महिला कारीगर ही अपना सामान बेच सकेंगी। इससे महिलाओं को बिचौलियों की जरूरत नहीं रहेगी। इसी तरह कैंसर के इलाज वाली 17 दवाओं के साथ ही शुगर की दवाओं पर कर में कमी की गई है। साथ ही सात दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए बाहर से आयात होने वाली दवाओं और स्पेशल फूड पर भी अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। इससे उन्हें बड़ी आर्थिक मदद मिलेगी जो इलाज के लिए महंगी विदेशी दवाओं पर निर्भर हैं। भारत को बायोफार्मा का हब बनाने का भी ऐलान किया गया है। ग्रामीण विकास पर दो लाख 73 हजार 108 करोड़ और कृषि एवं कृषि विकास पर एक लाख 62 हजार 671 करोड़ के बजट का प्रस्ताव ग्रामीण क्षेत्रों की रौनक बढ़ा सकता है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बजट में विकसित भारत के निमित्त शहरी विकास आवंटन में दृष्टिगोचर हुआ व्यापक बदलाव

(अंकित जैन)

इसका सकारात्मक प्रभाव शहरी विकास पर पड़ेगा। लिहाजा यह बदलाव विकसित भारतञ्च2047 के लक्ष्य को मजबूत करेगा, छोटे शहरों को विकास केंद्र बनाएगा और निजी निवेश को आकर्षित करेगा, जिससे शहरीकरण अधिक समावेशी होगा। हालांकि, सटीक 20,000 करोड़ शहरी विकास के लिए स्पष्ट नहीं मिला–यह कार्बन प्रोजेक्ट्स से जुड़ा प्रतीत होता है।

भारत के बजट 2026-27 में शहरी विकास के लिए प्रस्तावित ?20,000 करोड़ का आवंटन वास्तव में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है, लेकिन उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह सीधे तौर पर 20,000 करोड़ का एकमुश्त खर्च शहरी विकास के लिए नहीं है। दरअसल, यह राशि मुख्य रूप से औद्योगिक क्षेत्रों में कार्बन कैप्चर प्रोजेक्ट्स से जुड़ी हो सकती है, जबकि शहरी विकास के लिए सिटी इकानॉमी रिजिन्स (सीईआर) पर 5 वर्षों में ?5,000 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है।

इसका सकारात्मक प्रभाव शहरी विकास पर पड़ेगा। लिहाजा यह बदलाव विकसित भारतञ्च2047 के लक्ष्य को मजबूत करेगा, छोटे शहरों को विकास केंद्र बनाएगा और निजी निवेश को आकर्षित करेगा, जिससे शहरीकरण अधिक समावेशी होगा। हालांकि, सटीक 20,000 करोड़ शहरी विकास के लिए स्पष्ट नहीं मिला–यह कार्बन प्रोजेक्ट्स से जुड़ा प्रतीत होता है।

इस बारे में कोसमोस पम्पस के सीईओ व कोफाउंडर अंकित जैन ने कहा कि भारत के शहरी विकास के लिए प्रस्तावित 20,000 करोड़ का खर्च एक बड़ा बदलाव है, जिसमें टियर-टू, टियर-थ्री शहरों और मंदिर वाले शहरों पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह प्रस्ताव शहरों को न केवल आबादी के केंद्र के रूप में देखता है, बल्कि इनोवेशन, रोजगार और उत्पादकता के लिए एक शक्तिशाली इंजन के रूप में भी उपयोग होगा। भारत को स्मार्ट शहर बनाने के लिए, सिर्फ़ डिजिटल समाधानों पर ध्यान देने के बजाय मज़बूत फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी उतना ही ध्यान देना होगा–खासकर वॉटर मैनेजमेंट, एनर्जी एफिशिएंसी और सस्टेनेबल यूटिलिटीज़ पर। क्योंकि आधुनिक शहरों को बढ़ती आबादी और इंडस्ट्रीज़ को सपोर्ट करने के लिए इंटेलिजेंट पंपिंग सिस्टम, कुशल वॉटर सप्लाई, वेस्टवॉटर मैनेजमेंट और क्लाइमेट-रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर की ज़रूरत है।

लिहाजा हर सिटी इकोनॉमिक रीजन के लिए ?5,000 करोड़ का चैलेंज-बेस्ड आवंटन कॉम्पिटिशन, इनोवेशन और नतीजे-आधारित प्लानिंग को बढ़ावा देता है, जो लंबे समय की सफलता के लिए बहुत ज़रूरी है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि शहरी आर्थिक क्षेत्रों की योजना बजट 2026-27 में छोटे शहरों (टियर-2 और टियर-3) के समावेशी विकास पर केंद्रित है। यह योजना केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के संयुक्त प्रयासों से लागू होगी, जिसमें 5,000 करोड़ का प्रारंभिक आवंटन है।

इसकी कार्यान्वयन प्रक्रिया भी स्पष्ट है, क्योंकि योजना का क्रियान्वयन चरणबद्ध तरीके से होगा। पहले राज्यों द्वारा 5 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों का चयन, फिर ग्रोथ ड्राइवर्स (जैसे लॉजिस्टिक्स हब, रियल एस्टेट) पर आधारित मास्टर प्लान तैयार करना। इसके बाद निजी निवेश आकर्षित करने के लिए पीपीपी मॉडल और सेंट्रल फंडिंग का उपयोग होगा।

इसके प्रमुख चरण अंतर्गत चयन और योजना पर ध्यान देना होगा। खासकर राज्य शीर्ष समितियां बनाकर शहरों का चयन करेंगी, फिर 20 वर्षीय एकीकृत योजनाएं (परिवहन, आवास, भूमि उपयोग) तैयार करेंगी। ततपश्चात फंडिंग होगी। इस बाबत केंद्र से ?5,000 करोड़ + एसेट मोनेटाइजेशन से अतिरिक्त संसाधन; और निजी क्षेत्र को तकनीकी सहायता। इसकी कार्यान्वयन संरचना राज्य-स्तरीय समितियां तय करेंगी और वही इन योजनाओं को तैयार करेंगी, जिसके लिए केंद्र से फंडिंग (5,000 करोड़ प्रारंभिक) और पीपीपी मॉडल से समर्थन मिलेगा। इससे विकसित भारतञ्च2047 लक्ष्य मजबूत होगा। (लेखिका सीईओ व कोफाउंडर, कोसमोस पम्पस। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सिलीगुड़ी कॉरिडोर में जमीन के नीचे रेल दौड़ाने की तैयारी

केंद्र सरकार ने अब सिलीगुड़ी गलियारे की सुरक्षा और मजबूती के लिए बड़ा कदम उठाया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि करीब चालीस कोस लंबे हिस्से में भूमिगत रेल पटरियां बिछाने की योजना बनाई गई है। पूर्वोत्तर को देश के बाकी हिस्से से जोड़ने वाला सिलीगुड़ी गलियारा एक बार फिर राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में है। यह धरती की वही पतली पट्टी है जिसे आम बोलचाल में चिकन नेक कहा जाता है। सबसे संकरे हिस्से में इसकी चौड़ाई करीब पच्चीस कोस से भी कम मानी जाती है। इसके एक ओर नेपाल, दूसरी ओर भूटान और पास ही बांग्लादेश की सीमा है।

(नीरज कुमार दुबे)

यही रास्ता पूर्वोत्तर के आठों राज्यों के लिए जीवन रेखा है। सेना की आवाजाही हो, अनाज और ईंधन की आपूर्ति हो या व्यापार, सब कुछ काफी हद तक इसी राह से गुजरता है। केंद्र सरकार ने अब इस गलियारे की सुरक्षा और मजबूती के लिए बड़ा कदम उठाया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि करीब चालीस कोस लंबे हिस्से में भूमिगत रेल पटरियां बिछाने की योजना बनाई गई है। तीन मील हाट से रंगापानी के बीच यह भूमिगत मार्ग बनेगा। साथ ही पूरे मार्ग को चार पटरियों वाला बनाने का प्रस्ताव भी वार्षिक लेखा योजना में रखा गया है ताकि यातायात की क्षमता कई गुना बढ़ सके। हम आपको बता दें कि हाल के समय में इस गलियारे को लेकर कई तरह की गीदड़ भभकियां सामने आई थीं। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद कुछ समूहों ने चिकन नेक को दबाने जैसी बातें कही थीं। कुछ बयान ऐसे भी आये जिनमें इस इलाके को ग्रेटर बांग्लादेश की कल्पना से जोड़ा गया। ढाका की चीन से बढ़ती नजदीकी ने भी चिंता बढ़ाई। वर्ष 2017 में डोकलाम टकराव के समय भी सैन्य योजनाकारों ने सिलीगुडी हिस्से की कमजोरी पर ध्यान दिलाया था। साफ था कि यदि यहां बाधा आई तो पूर्वोत्तर लगभग कट सकता है। इसी पृष्ठभूमि में भूमिगत रेल को संकट के समय भी संपर्क बनाए रखने की योजना के रूप में देखा जा रहा है। भूमिगत मार्ग पर सीधा प्रहार करना कठिन होगा। इससे सैनिक साजो सामान और आम जन जीवन की आपूर्ति निरंतर बनी रह सकती है। यदि चिकन नेक

जैसे संवेदनशील इलाके में भूमिगत रेल मार्ग बनता है तो यह कौशल, साहस और दूरदर्शिता का भी प्रदर्शन होगा। भारत पहले ही जम्मू-कश्मीर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल का निर्माण कर अपनी प्रतिभा दिखा चुका है। पहाड़ चीरकर और पहाड़ों के ऊपर पुल खड़ा करने वाले यही हाथ जमीन के भीतर भी सुरक्षित मार्ग बना सकते हैं। वैसे भी कठिन भौगोलिक हालात को मात देना भारतीय इंजीनियरों की पहचान बन चुकी है, इसलिए चिकन नेक में भूमिगत रेल केवल सुरक्षा कदम नहीं, बल्कि देश की तकनीकी ताकत और आत्मविश्वास का प्रतीक भी होगी। देखा जाये तो यह गलियारा केवल भौगोलिक पट्टी नहीं बल्कि राष्ट्रीय एकता की धुरी है। इसलिए इसकी सुरक्षा पर किसी तरह की ढिलाई नहीं हो सकती। भूमिगत रेल, चार पटरी विस्तार और कड़ी निगरानी को उसी दिशा में उठे कदम के रूप में देखा जा रहा है। सामरिक दृष्टि से देखें तो यह इलाका चार देशों के बीच घिरा है। सीमा पार से होने वाली हर हलचल यहां असर डालती है। चीन की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षा, बांग्लादेश की अंदरूनी राजनीति, और खुले सीमा प्रबंध वाले इलाकों की जटिलता, सब मिलकर इस पट्टी को संवेदनशील बनाते हैं। ऐसे में भूमिगत रेल केवल ईंट पत्थर का काम नहीं, बल्कि संकट काल में जीवन रेखा को जिंदा रखने का उपाय है। युद्ध या बड़े तनाव की स्थिति में खुली पटरियां आसान निशाना बन सकती हैं, पर जमीन के भीतर चलने वाली रेल को रोकना कठिन होगा। इसका आर्थिक पक्ष भी कम अहम नहीं है। पूर्वोत्तर क्षेत्र प्राकृतिक संसाधन, जल शक्ति, कृषि उपज और सीमा पार व्यापार की अपार संभावना रखता है। यदि संपर्क मजबूत होगा तो उद्योग, पर्यटन और व्यापार को बल मिलेगा। चार पटरी मार्ग का अर्थ है तेज आवागमन, कम बाधा और ज्यादा माल ढुलाई। इससे लागत घटेगी और बाजार बढ़ेंगे, जो इलाका कभी दूर माना जाता था वह अवसर का द्वार बन सकता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

क्रोध प्रेम से ही हारेगा

(विवेकानंद)

जब मन में क्रोध की एक बड़ी तरंग आती है, तब उसे कैसे वश में लाया जाए? बहुत सरल सा जवाब है- उसके विपरीत एक तरंग उठाकर। उस समय प्रेम

की बात मन में लाओ।कभी-कभी ऐसा होता है कि पत्नी अपने पति पर खूब गरम हो जाती है, लेकिन उसी समय उसका बच्चा वहां आ जाता है और वह उसे अपनी गोद में उठाकर चूम लेती है; इससे उसके मन में बच्चे के प्रति प्रेम-तरंग उठने लगती है और वह पहले तरंग को दबा देती है। प्रेम क्रोध के विपरीत है। इसी प्रकार, जब मन में किसी किस्म की चोरी का भाव उठे, तो उसके विपरीत भाव का चिंतन करना चाहिए। जब दान ग्रहण करने की इच्छा पैदा हो, तो उसके विपरीत भाव का चिंतन करना चाहिए। मैं स्वयं यदि कोई झूठ कहूं, तो उससे जो पाप होता है, उतना ही पाप तब भी होता है, जब दूसरे को झूठ कहने में लगाता हूं अथवा दूसरे की किसी झूठी बात का अनुमोदन करता हूं। वह झूठ भले ही जरा सा हो, फिर भी झूठ तो है ही। पर्वत की कंदरा में बैठकर भी यदि पाप चिंतन करो, किसी के प्रति घृणा का भाव पोषण करो, तो वह भी संचित रहेगा और कालान्तर में फिर से वह तुम्हारे पास किसी दुख के रूप में आकर तुम पर प्रबल आघात करेगा। यदि तुम अपने हृदय से ईर्ष्या और घृणा का भाव चारों ओर प्रसारित करते हो, तो वह चक्रवृद्धि ब्याज सहित तुम पर आकर गिरेगा। दुनिया की कोई भी ताकत उसको रोक न सकेगी। यदि तुमने एक बार उस शक्ति को बाहर निकाला, तो फिर निश्चित जानो, तुम्हें उसका प्रतिघात सहन करना ही पड़ेगा। यह स्मरण रहने पर तुम कुकर्मों से बचे रह सकोगे।

बस्तर की जनता को बेहतर सुविधाओं के नाम पर लूटना कतई बर्दाश्त नहीं, होगा पुरजोर विरोध : सुशील मौर्य

भाजपा की डबल इंजन की सरकार में मुनाफाखोरी जोरो पर,पैसा कमाना ही इनका मुख्य पेशाः राजेश चौधरी

बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर द्वारा अत्यधिक शुल्क व अनियमितताओं के विरुद्ध सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल के खिलाफकिया विरोध प्रदर्शन

जगदलपुर - बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के द्वारा डिमरापाल सुपर स्पेशलिस्ट कॉन्टिनेंटल अस्पताल के द्वारा बस्तर की जनता को बेहतर सुविधाओं के नाम अत्यधिक शुल्क व अनियमितताओं के विरुद्ध सुपर स्पेशलिस्ट कॉन्टिनेंटल अस्पताल के समक्ष खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम व अस्पताल प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा गया। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा बस्तर की जनता को सुविधाओं के नाम पर लूटना कांग्रेस पार्टी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी डिमरापाल स्थित कॉनटीनेंटल छत्तीसगढ़ सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के बस्तर की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के नाम पर निजी प्रबंधन द्वारा उनका आर्थिक शोषण का कांग्रेस पुरजोर विरोध करती है श्री मौर्य ने कहा वर्ष 2019-20 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने केंद्र की इस परियोजना में 40त्र राशि इसी शर्त पर दी थी कि यहाँ बस्तरवासियों को मेडिकल कॉलेज की तर्ज पर सस्ती चिकित्सा सुविधाओ का लाभ मिलेगा। लेकिन अब इस वादे को वर्तमान में दरकिनार किया जा रहा है।हस्ब्ष्ट स्टील द्वारा इस अस्पताल के संचालन हेतु प्रतिवर्ष 53 करोड़ रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। जब ज़मीन,भवन और उपकरण शासकीय हैं और संचालन हेतु बड़ी राशि हस्ब्ष्ट दे रहा है,तो प्रबंधन द्वारा 900/- रुपये ह्क्क्ष शुल्क और महंगी जॉच दरें वसूलना पूरी तरह अनुचित है।सरकार और अस्पताल प्रबंधन के बीच हुए संचालन अनुबंध (स्व्ह) की शर्तों को सार्वजनिक किया जाए ताकि जनता को उनके अधिकारों का पता चल सके।अस्पताल ने 23 जनवरी को बिना विशेषज्ञ डॉक्टरों के ट्रायल शुरू किया, तब ह्क्क्ष शुल्क 450/- बताया गया था। अब 4 फरवरी को नोटिस जारी कर छ्त्ताास दरों का हवाला देते हुए इसे 900/- कर दिया गया है। प्रबंधन का यह दोहरा रवैया अस्पताल की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है।अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि जो शुल्क वो ले रहे है वो छ्त्ताास के मापदंड के अनुसार है. चूंकि छ्त्ताास योजना मुख्यतः केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशन भोगियों के लिए होती है।अस्पताल प्रबंधन द्वारा इस योजना का हवाला देना बस्तर की सामान्य जनता के लिए केवल भ्रम की स्थिति पैदा करना है। क्या अस्पताल प्रबंधन यहाँ के हर नागरिक का छ्त्ताास कार्ड बनवाएगा? यदि नहीं,तो आम जनता को इस योजना के नाम पर ठगा जाना बंद हो!*शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कांग्रेस पार्टी की स्पष्ट मांग है कि हस्ब्ष्ट से मिल रहे करोड़ों रुपये के अनुदान को देखते हुए यहाँ मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल की दरों पर ही सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।बस्तर की गरीब जनता के नाम पर आबंटित संसाधनों का लाभ किसी निजी कंपनी के मुनाफे के लिए नहीं होने दिया जाएगा।अतःजनहित में हस्तक्षेप करते हुए तत्काल शुल्कों में कटौती की जाए और पूर्व समझौतों के अनुरूप सस्ती चिकित्सा सुनिश्चित की जाए। अगर जल्द से जल्द यह नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी उग्र प्रदर्शन करने हेतु पूर्ण रूप से बाध्य होगी। *भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार में सिर्फ पैसा कमाना ही इनका मुख्य पेशा हो गया है बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर बस्तर की भोली भाली जनता को लूटने का कार्य अब यह साय सरकार कर रही है सुपर स्पेशलिस्ट कॉन्टिनेंटल अस्पताल डिमरापाल की जमीन शासकीय,भवन शासकीय, उपकरण शासकीय और तो और एन.एम.डी.सी.का फंड भी शासकीय है और अस्पताल प्राइवेट गजब की धोखाधड़ी की जा रही है कांग्रेस पार्टी इसका कड़ा विरोध करते हुए स्पष्ट रूप से कहना चाहती है कि यदि यह ओपीडी शुल्क व स्वास्थ्य सुविधाओं में कटौती नहीं होती है आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी बस्तर की जनता व बस्तर के आदिवासियों के साथ मिलकर उग्र आंदोलन करेगी जिसकी जिम्मेदार अस्पताल प्रबंधक व भाजपा सरकार खुद होगी।*इस दौरान पूर्व विधायक रेखचंद जैन,वरिष्ठ कांग्रेसी अतिरिक्त शुक्ला,ब्लॉक अध्यक्षगण बलराम यादव, सूर्योपानी,संतोष सेठिया, फूलसिंह बघेल,महामंत्री अभिषेक नायडू,जाहिद हुसैन,अमरनाथ सिंह,यूंका महासचिव तुलाराम कश्यप,अनुराग महतो,आदित्य बिसेन, एनएसयूआई विशाल खंबारी,व्यापारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेंद्र पटवा,किसान कांग्रेस अध्यक्ष दयाराम कश्यप,वीरेंद्र परिहार,रविशंकर तिवारी, संजय पाणिग्रही,शहनाज बेगम,रोहित पाणिग्रही,असीम सुता,नीतीश शर्मा,शादाब अहमद,पंकज केवट,कमल साय,राजकुमार,महिला कांग्रेस सायमा अशरफ़एस नीला, भोजराज नाग,बलराम कोकडु,धरमदास नाग,तिलक यादव,जगरनाथ,भालुराम, कुरसो कश्यप,ललित रावत,रामनाथ सेठिया,सोहन लाल, वैभव नेताम, हेमंत पांडे,राजेन्द्र,खीरेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

शिक्षा के मंदिर पर दागः वाड्रफनगर स्कूल में नाबालिग से बैड टच, पॉक्सो में केस

छात्रा से छेड़छाड़ के बाद प्राचार्य फरार, पुलिस की दबिश तेज

बलरामपुर/मूक पत्रिका

जिले के वाड्रफनगर विकासखंड अंतर्गत एक हायर सेकेंडरी स्कूल से बेहद गंभीर और संवेदनशील मामला सामने आया है। स्कूल के ही प्राचार्य पर नाबालिग छात्रा के साथ बैड टच करने का आरोप लगा है। घटना सामने आते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और शिक्षा व्यवस्था की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पीड़ित नाबालिग छात्रा ने साहस दिखाते हुए पूरे घटनाक्रम की जानकारी अपने परिजनों को दी। इसके बाद परिजन छात्रा को लेकर वाड्रफनगर पुलिस चौकी पहुंचे, जहां आरोपी प्राचार्य के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं के साथ-साथ पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। चूंकि मामला नाबालिग से जुड़ा है, इसलिए कानूनी प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है।

आरोपी प्राचार्य की पहचान युवधन जायसवाल के रूप में हुई है। एफआईआर दर्ज होने के बाद से वह फरार है। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यह पूरा मामला वाड्रफनगर पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत बरती हायर सेकेंडरी स्कूल का बताया जा रहा है। घटना के बाद स्कूल प्रबंधन और शिक्षा विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त है और वे स्कूल परिसर में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं।

फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। पीड़ित छात्रा का बयान दर्ज कर लिया गया है और अन्य साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान और भी अहम तथ्य सामने आ सकते हैं।

डीईओ ने क्या कहा

इस पूरे मामले को लेकर जब जिला शिक्षा अधिकारी मनीराम यादव से फोन पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। उन्होंने कहा कि तीन सदस्यीय जांच टीम गठित कर दी गई है और जांच पूर्ण होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सहायक उपकरण पाकर दिव्यांगजनों के चेहरे खिले, तत्काल दी गई बैटरी चलित ट्रायसाईकिल

कांकेर/मूक पत्रिका

कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग द्वारा चारामा निवासी दो दिव्यांगजनों 61 वर्षीय लछिन्दर साहू और 39 वर्षीय पूरन चंदेली को मोटराईज्ड ट्रायसाईकिल प्रदान किया गया। दोनों दिव्यांगों ने ट्रायसाईकिल प्रदान करने के लिए कलेक्टर को आवेदन प्रस्तुत किया था, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए उन्हें आज ट्रायसाईकिल प्रदान की गई। सहायक उपकरण पाकर दिव्यांगों के चेहरे खिल उठे, उन्होंने कहा कि अपनी दिनचर्या में आने-जाने में बहुत परेशानी होती थी, ट्राईसाईकिल मिलने से उन्हें रोजगार मेला, परिवारिक कार्यक्रम में जाने में सहुलियत होगी। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

गुंजीयाबोर बेकार तिराहे भूमि बनेगा खिलाड़ियों के लिए खेल मैदान

जैजैपुर /मूक पत्रिका

गुंजीयाबोर सोन नदी के किनारे के ऊपर तिराहे की भूमि है वहां पर गंदगी के कारण उसे हटाने के लिए राखड डंप किया जा रहा है। राखड़ डंप होने से दूसरे गांव के गंदगी एवं मृत मवेसी को लोगों के द्वारा डाला जाता रहा जिससे प्रतिबंध लग जाएगा उस स्थान में गंदगी को हटाने के लिए एवं गुजीयाबोर के विस्तार के लिए उस स्थान पर खेल मैदान के साथ लोगों के जीविका उपार्जन के लिए यह जमीन को कीमती बनाते हुए गांव के विकास एवं खेत प्रेमियों के विकास के लिए वहां पर खेल मैदान बनने से अनेक बेरोजगारों को भी रोजगार मिलेगा । उसी कड़ी को लेकर उस तिराहे कीमती जमीन में खेल मैदान का विस्तार करने के लिए समतलीकरण पाठ कर किया जा रहा है। उसके बाद समतलीकरण करण के लिए ऊपर से मिट्टी डाला जाएगा ताकि वह अ'छे से खेल मैदान का निर्माण हो सके । और कोई भी व्यक्ति उस स्थान को गंदगी ना करने के लिए वहां पर रखाड डंप किया जा रहा है। जिससे ग्राम पंचायत गुंजीयाबोर में खेल मैदान का विस्तार हो सके। ग्राम के प्रमुख व्यक्तियों ने उक्त निर्णय लेकर यह कार्य को एक खेल मैदान का रूप देने के लिए अ'छे पहल की शुरुआत की है।

शिवसेना के नेतृत्व में हानपतरी सचिव को यथावत बनाए रखने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने सौंपे आवेदन

कांकेर/मूक पत्रिका

कांकेर, दुर्गुकोंदल ब्लॉक के ग्राम पंचायत हानपतरी के ग्रामीण एवं पंचायत पदाधिकारी ने पंचायत में पदस्थ सचिव को यथावत रखने की मांग को लेकर कलेक्टर व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कांकेर को आवेदन सौंपा। शिवसेना प्रदेश सचिव महेश वासुदेव दुबे ने बताया कुछ लोग निजी स्वार्थ के चलते पंचायत सचिव का स्थानांतरण चाहते हैं लेकिन ग्राम पंचायत में पदस्थ सचिव के कार्य को ग्रामीण द्वारा संतोषजनक बताते हुए ग्राम विकास कार्य सुचारू रूप से संपन्न होने की बात कही जा रही है। दुबे ने आगे कहा ग्रामीणो का एकरूपता बता रहा है उनका कार्य संतोषजनक है उन्होंने कहा जिला प्रशासन द्वारा आश्वासन मिला है और जल्द पंचायत सचिव को हानपतरी पंचायत में यथावत रखने की बात उनके द्वारा कही गई। ग्रामीणों ने कहा कलेक्टर एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मुलाकात कर पंचायत सचिव रमेश नरेटी का स्थानांतरण ना कर यथावत रखे जाने की मांग की गई है। ग्रामीण प्रीतम मांझी रामप्रसाद दुग्गा सामूराम मेरिया दिनेश मेरिया उमेंद उयके ललिता मेरिया भानबाई विश्वकर्मा लखोन उयके मिश्रीलाल राणा ने बताया ग्राम पंचायत सचिव रमेश नरेटी द्वारा समय पर मुख्यालय में आकर ग्राम पंचायत में जन्म, मृत्यु रजिस्टर पंचायत कार्य रजिस्टर संधारित करता है। ग्रामीण का आवश्यकतानुसार कार्य तथा ग्राम विकास कार्य सुचारू रूप से संपन्न कर रहे हैं। उनके कार्य से सभी पंचगण एवं उपसरपंच समस्त ग्रामवासी संतुष्ट हैं। ग्राम वासी ने कहा है उनके मां को जल्द से जल्द पूरा नहीं किया गया तो जिलापंचायत कार्यालय का घेराव करने की चेतावनी दी है। जिसका संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। आवेदन सौंपने में प्रमुख रूप से सुकचंद मंडावी भोला पाल प्रणेवेश विश्वास लच्क्षन बढ़ाई संजय नरेटी अनिल नरेटी भागवत मांझी हरेश धाकड़ संतोषी विश्वकर्मा मंगली विश्वकर्मा सोहन विश्वकर्मा देवा प्रसाद सरोज सिंहा धनीराम उयके इत्यादि सैकड़ो की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे ।

मोदी सरकार की नीतियों के कारण पिछले पांच वर्षों में दो लाख संस्था हुआ बंद

कांकेर/मूक पत्रिका

मोदी सरकार की कॉर्पोरेट प्रेम और कॉर्पोरेट उन्मुखी नीतियों का दुष्परिणाम स्वरूप पिछले पांच वर्षों में देश में करीब दो लाख लघु और छोटे उद्योग बंद हो गए है। जारी एक प्रेस बयान में नागरिक अधिकार रक्षा मंच के सुख रंजन नंदी और नजीब कुरैशी ने बताया कि हाल ही में संसद में कॉर्पोरेट मंत्रालय ने यह जानकारी दिया कि विगत पांच वर्षो में देश में एक लाख 89 हजार 295 संस्थाएं बंद हो गए है। विश्वगुरु की वास्तविक आर्थिक स्थिति उद्योग बंद होने की संख्या में लगातार हो रही है बढ़ोतरी नेताद्वय ने कहा मोदी सरकार कितना भी भारत को विश्वगुरु बनाने का ढोल पीटते रहे लेकिन संसद में कॉर्पोरेट संबंधी मंत्रालय के उक्त जानकारी देश की वास्तविक आर्थिक तस्वीर को बयान करता है।

नेताओं ने मंत्रालय द्वारा संसद के सामने जो तथ्य दिए गए है उसी का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2020-21 से वर्ष 2022-23 के वित्तीय वर्ष के बीच देश के करीब एक लाख कंपनियों का पंजीयन रद्द कर दिया गया है, जबकि वर्ष 2020-21 में सिर्फ 217 उद्योगों का पंजीयन रद्द किया गया था। जबकि 2021-22 में 28 हजार 305 और 2022-23 में यह संख्या और बढ़कर 68 हजार 893 तक पहुंच गया है। स्वाभाविक रूप से इतने भारी संख्या में उद्योगों का बंद होने का रोजगार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसके साथ ही मंत्रालय की जानकारी के अनुसार देश में 91 हजार से भी अधिक उद्योगपतियों ने अपनी उद्योग स्वेच्छा से नुकसान के कारण बंद कर दिया है।मंच के नेताओं ने कहा कि अब मोदी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्र में मनरेगा जो रोजगार की गारंटी प्रदान करता था उसे भी खत्म कर दिया है और अब ग्रामीण इलाके में भी रोजगार का संकट पैदा होगा। लगातार इस तरह उद्योगों बंद होने की संख्या में वृद्धि देश की आर्थिक संकट को ही उजागर करता है। व्यापार समझौता का उद्योग, रोजगार पर पड़ेगा असर मंच के नेताओं ने कहा अब अमरीका और यूरोपीय यूनियन के साथ जो व्यापार समझौता हुआ है उस समझौता में आयात शुल्क शून्य कर देने का कुप्रभाव हमारे देश के छोटे लघु उद्योगों में पड़ने वाला है। और इन उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों के रोजगार पर भी बुरा प्रभाव पड़ेगा। उद्योग, रोजगार का बुरा प्रभाव व्यापारी वर्ग को भी अपने चपेट में ले लेगा। मोदी सरकार की योजनाविहीन नोट बंदी, जीएसटी देश के उद्योगों को पहले से ही तबाह किया है अब बचा हुआ उद्योग भी समझौता के बाद तबाह और बंद हो जाएगा।

नक्सल पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पित 40 माओवादियों को आजीविका मूलक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा

विशेष लेख: जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा को अंजाम दिया, वही प्रशिक्षण लेकर सीख रहे हुनर

मुख्यधारा में लौटने के बाद चौगेल कैंप में दिया जा रहा विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण

तारा शंकर सहायक,
संचालक जनसंपर्क

रायपुर/मूक पत्रिका

अगर कुछ कर गुजरने का जज्बा मन में हो तो जीवन में हर काम आसान हो जाता है। इस कथन को आत्मसमर्पित माओवादियों ने चरितार्थ किया है। जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा की राह अख्तियार किया था, आज उन्हीं हाथों को राज्य की नक्सल पुनर्वास नीति के तहत कुशल और दक्ष बनाने की कवायद जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है। शासन की मंशानुसार ग्राम चौगेल (मुल्ला) कैंप में प्रशिक्षण देकर 'हिंसा से हुनर' की ओर लौटे माओवादियों को नया जीवनदान मिल रहा है।

आजीविका मूलक गतिविधियों का दिया जा रहा है प्रशिक्षण-कभी माओवाद गतिविधियों में संलिप्त रहे युवक-युवतियों को अब ड्राइविंग, सिलाई, काष्ठशिल्प कला, सहायक इलेक्ट्रिशियन जैसे विभिन्न ट्रेड में सतत् प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे समाज की मुख्य धारा में लौटने के बाद आजीविका मूलक गतिविधियों में कुशल होकर बेहतर ढंग से सम्मान पूर्वक जीवन निर्वाह कर सके।

चौगेल कैंप परिसर बना कौशलगढ़- वर्षों से लाल आतंक के साए में हिंसा का दंश झेल रहा बस्तर संभाग अब विकास की ओर शनैः-शनैः आगे बढ़ रहा है और माओवाद का दायरा धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। छत्तीसगढ़ सहित देश को माओवाद से मुक्ति दिलाने केंद्र सरकार के संकल्प को पूरा करने प्रदेश सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। वहीं हथियार उठाने वालों को भविष्य गढ़ने का सुनहरा अवसर भी सरकार द्वारा दिया जा रहा है। आत्मसमर्पित/पीड़ित नक्सल पुनर्वास नीति-2025 के अंतर्गत उन्हें विभिन्न सृजनात्मक और रोजगारमूलक गतिविधियों के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भानुप्रतापपुर विकासखंड से लगे ग्राम चौगेल (मुल्ला) का बीएसएफ कैम्प परिसर 'कौशलगढ़' बन गया है, जहां समाज की मुख्यधारा में लौटे 40 आत्मसमर्पित माओवादियों को अलग-अलग पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जा रहा है, साथ ही उन्हें शिक्षित भी किया जा रहा है। आवश्यकतानुसार कक्षा पहली से आठवीं तक के पाठ्यक्रमों का नियमित अध्ययन कराया जा रहा है, जिसमें रूचि लेते हुए सभी आत्मसमर्पित माओवादी अपने भविष्य को पूरी शिद्दत से गढ़ने में संलग्न हैं। 20-20 का बैच बनाकर उन्हें हुनरमंद बनाने के सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

ड्राइविंग सीखने का शौक अब पूरा हो रहा- मनहेर तारम-चारपहिया वाहन चालन का प्रशिक्षण ले रहे आत्मसमर्पित माओवादी 40 वर्षीय श्री मनहेर तारम ने बताया कि पिछले दो सप्ताह से उन्हें ड्रायविंग की ट्रेनिंग दी जा रही है, जिसे वे पूरी रूचि के साथ सीख रहे हैं। ट्रेनर द्वारा स्टेयरिंग थामने से लेकर क्लच, ब्रेक व एक्सिलरेटर का प्रयोग करना सिखाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ड्रायविंग सीखने की चाहत अब पूरी हो रही है। इसके अलावा सिलाई और काष्ठशिल्प का प्रशिक्षण कैम्प में दिया जा रहा है। इसी तरह श्री नरसिंह नेताम ने बताया कि वह भी फोरव्हीलर की ड्रायविंग में अपना हाथ आजमा रहे हैं तथा यहां आकर ऐसी गतिविधियों से जुड़ रहे हैं, जिससे आगे का जीवन बेहतर हो सके। 19 साल के सुकदू पद्दा ने बताया कि यहां पिछले तीन महीने से ट्रेनिंग ले रहे हैं और खुद को आजीविका मूलक कार्यों से जोड़ रहे हैं, जबकि वह निरक्षर है। वहीं 19 वर्ष की कु. काजल वेड़दा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का अनुभव साझा करते हुए कहा कि यहां आकर अलग-अलग पाठ्यक्रमों में नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें बचपन से कपड़ों की सिलाई करने की इच्छा थी, यहां आकर वह भी पूरी हो रही है। वहीं शिक्षकां के द्वारा प्राथमिक शिक्षा का भी वह लाभ ले रही हैं। इसी तरह कैंप में रह रहे जगदेव कोमरा, राजू नुरूटी, बीरसिंह मण्डावी, मैनू नेगी, सनऊ गावड़े, मानकी नेताम, सामको नुरूटी, उंगी कोर्राम, रमोती कवाची, मानकेर हुपेंडी, डाली सलाम, गेंजो हुपेंडी सहित सभी आत्मसमर्पित माओवादी अपनी रूचि अनुसार ड्राईविंग, काष्ठशिल्प कला, सिलाई मशीन तथा सहायक इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में बेहतर ढंग से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा उनका नियमितरूप से स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यकतानुसार दवाईयां दी जाती हैं। कैम्प में मनोरंजनात्मक गतिविधियां कैरम, वाद्य यंत्र, विभिन्न प्रकार के खेल भी आयोजित किया जाता है। पुनर्वास कैंप के नोडल अधिकारी श्री विनोद अहिरवार ने बताया कि कलेक्टर उत्तर बस्तर कांकेर के निर्देशानुसार आत्मसमर्पित 40 माओवादियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हुए विभिन्न पाठ्यक्रमों में 20-20 के बैच में चौगेल (मुल्ला) कैंप में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और सभी को बेहतर ढंग से प्रशिक्षित किया जा रहा है। भविष्य में मशरूम उत्पादन, बागवानी सहित विभिन्न सृजनात्मक एवं स्वरोजगार मूलक पाठ्यक्रमों में जल्द ही प्रशिक्षण दिया जाएगा।इस तरह आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटे माओवादियों को राज्य शासन द्वारा अवसर देकर उन्हें आत्मनिर्भर तथा स्वरोजगारमूलक सकारात्मक कार्यों से जोड़ा जा रहा है, जिससे उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करने का मौका मिल सके।

ओप्पो ने रेनो 15सी पेश किया

नई दिल्ली: ओप्पो इंडिया ने रेनो 15 सीरीज़ का विस्तार करते हुए ओप्पो रेनो 15सी का लॉन्च किया है। यह स्मार्टफ़ोन रेनो का अनुभव और अधिक ग्राहकों तक पहुँचाने के लिए बनाया गया है, जो ट्रैवलर्स, क्रिएटर्स और फोटोग्राफी प्रेमियों को स्मार्टफ़ोन का शानदार अनुभव प्रदान करेगा। रेनो 15सी में रिफ़ाईंड डिज़ाईन, लंबी चलने वाली बैटरी और इंटैलिजेंट ए.आई फीचर्स के साथ रेनो सीरीज़ की मुख्य विशेषताएं मौजूद हैं, जो और अधिक किफ़ायती मूल्य में उपलब्ध हो रही हैं। रेनो 15सी भारत में 5 फ़रवरी, 2026 से आफ्टरग्लो पिंक और ट्वाईलाईट ब्लू कलर्स में मिलना शुरू होगा। रेनो 15सी में 7000एम.ए.एच की शक्तिशाली बैटरी के साथ 80वॉट की सुपरवूक फ़ास्ट चार्जिंग दी गई है। यह स्मार्टफ़ोन इमर्सिव एमोलेड डिस्प्ले के साथ भरोसेमंद परफ़ॉर्मेंस और शानदार ड्यूरेबिलिटी प्रदान करता है। कलरओएस 16 के साथ यह स्मार्टफ़ोन गतिशील रहने वाले ग्राहकों के लिए बहुत ही भरोसेमंद है।

प्रीमियम डिज़ाईन के साथ स्लिम और लाईटवेट स्मार्टफ़ोन- रेनो 15सी में ओप्पो ने अपना कोरल फ्लीस-लाईक स्किन-फ्रेंडली वैलवेट टैक्सचर पैनल दिया है, जो सॉफ्ट मैट फ़िनिश के साथ हाथों में बहुत अच्छा महसूस होता है और इस पर उंगलियों के निशान भी नहीं पड़ते हैं। साथ में ओप्पो का डायनामिक स्टेलर रिंग डिज़ाईन स्क्वैयर रिंग कैमरा ले-आउट के साथ सतह पर प्रकाश पड़ने पर हैलो इफेक्ट उत्पन्न करता है, जिससे स्मार्टफ़ोन को बहुत रिफ़ाईंड और आकर्षक लुक प्राप्त होता है।

रेनो 15सी 8.14 मिमी और 195 ग्राम के साथ बहुत स्लिम और लाईटवेट स्मार्टफ़ोन है। इसमें 1.67 मिमी के नैरो बेज़ेल्स के साथ 6.57 इंच का फ्लैट एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है। एफ़एचडी+ रिज़ॉल्यूशन, 10-बिट कलर और 92.8 प्रतिशत स्क्रीन-टू-बॉडी अनुपात व्यूईंग का शानदार अनुभव प्रदान करते हैं। विभिन्न तरह के वातावरण में कम्फ़र्ट के लिए इसमें इंटैलिजेंट ब्राईटनेस एडजस्टमेंट की सुविधा है, जो 60 निट्स की डिफ़ॉल्ट ब्राईटनेस और 1400 निट्स तक की पीक ब्राईटनेस प्रदान करती है।

रेनो 15सी के ट्वाईलाईट ब्लू वैरिएंट की प्रेरणा रात्रिकाल की शुरुआत और गैलेक्सी से ली गई है, वहीं आफ्टरग्लो पिंक आसमान में डूबते सूरज की कोमल गुलाबी लालिमा के साथ चमकती किरणों से प्रेरित है। इसलिए यह स्मार्टफ़ोन भरोसेमंद होने के साथ बहुत स्टाईलिश भी है।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने जनवरी 2026 में 5.74 लाख यूनिट बिक्री के साथ मजबूत वृद्धि दर्ज की

नईदिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने जनवरी 2026 में कुल 5,74,411 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। इसमें 5,19,579 यूनिट्स घरेलू बाजार में और 54,832 यूनिट्स निर्यात के रूप में शामिल हैं। जनवरी 2025 की तुलना में HMSI ने कुल बिक्री में 29% की वर्ष-दर-वर्ष (YOY) वृद्धि दर्ज की है। यह प्रदर्शन घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में HMSI के उत्पाद पोर्टफोलियो की मजबूत मांग को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2026 (FY26) की वर्ष-से-तिथि अवधि (अप्रैल 2025 से जनवरी 2026) के दौरान, HMSI ने कुल 52,53,205यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जिसमें से 47,23,979 यूनिट्स घरेलू बाजार में और 5,29,226 यूनिट्स निर्यात के रूप में बेचीगईं। जनवरी 2026 की प्रमुख उपलब्धियां- सड़क सुरक्षा : सभी के लिए सुरक्षा के अपने विज़न के अनुरूप, HMSI ने देशभर में अहमदनगर, अलीबाग, बल्लभगढ़, भुवनेश्वर, दौसा, गुवाहाटी, ग्वालियर, होसपेटे, काकीनाडा, कासरगोड, कुरुक्षेत्र, रायपुर और सूरत सहित कई स्थानों पर सड़क सुरक्षा अभियान आयोजित किए। इन अभियानों का उद्देश्य जिम्मेदार वाहन चलाने को प्रोत्साहित करना और सामुदायिक जागरूकता बढ़ाकर सभी के लिए सुरक्षित सड़कों का निर्माण करना था। HMSI ने केरल के मलप्पुरम में एक सड़क सुरक्षा सम्मेलन भी आयोजित किया, जिसमें स्कूलों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को शामिल किया गया, ताकि बच्चों में कम उम्र से ही सुरक्षित सड़क आदतों को विकसित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, HMSI ने देशभर में जागरूकता अभियानों की एक श्रृंखला चलाई और राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर 'जयपुर आइडियल रोड सेफ्टी प्रोजेक्ट' की शुरुआत की।

अमेरिकी कानून का सामना कर रहे मादुरो की बढ़ी मुश्किलें

अमेरिका से अर्जेंटीना ने की प्रत्यर्पण की मांग

वाशिंगटन, एजेंसी। अर्जेंटीना के एक जज ने बुधवार को अमेरिका से वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सौंपने की औपचारिक मांग की है। फिलहाल वह न्यूयॉर्क की एक जेल में बंद हैं और उन पर नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी सेना ने एक विशेष ऑपरेशन में पिछले महीने मादुरो को पकड़ा था। मादुरो पर लगे हैं कई गंभीर आरोप

मामले में अर्जेंटीना के संघीय जज ने एक वारंट पर हस्ताक्षर किए हैं। इस काराकास में मादुरो पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने शासन के दौरान प्रदर्शनकारियों और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ हिंसा करवाई। इसमें लोगों को प्रताड़ित करना और जबरन गायब करना शामिल है।

इस मामलों में उन वेनेजुएला के नागरिकों को वादी बनाया गया है जिन्होंने सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंटों के हाथों भयानक यातनाएं झेली हैं। यह कानूनी लड़ाई साल 2023 में ब्यूनस आयर्स में मानवाधिकार संगठनों ने शुरू की थी। यहां की अदालतें पहले भी देश के बाहर मानवाधिकार हनन के मामलों की जांच करती रही हैं। तीन जनवरी को अमेरिकी सेना ने मादुरो को सत्ता से हटाया था, जिसके बाद अर्जेंटीना के सरकारी वकीलों ने जज रामोस से इस प्रत्यर्पण अनुरोध को आगे बढ़ाने का आग्रह किया था।

अमेरिका में इस मामले में चल रहा केस: अर्जेंटीना ने 1997 की प्रत्यर्पण संधि का हवाला देते हुए यह मांग की है। हालांकि, इसकी संभावना कम है कि ट्रंप प्रशासन इस पर तुरंत अमल करेगा। इसका मुख्य कारण अमेरिका में मादुरो पर चल रहा मुकदमा है। मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोर्स अभी ब्रुकलिन की जेल में हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने 25 वर्षों तक ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में हजारों टन ड्रग भेजने में मदद की। राजनीतिक समीकरणों की बात करें तो अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली खुद को डोनाल्ड ट्रंप का करीबी सहयोगी मानते हैं और उन्होंने मादुरो की गिरफ्तारी का स्वागत किया था। मानवाधिकार संगठनों ने इस प्रत्यर्पण अनुरोध को ऐतिहासिक बताया है। 'अर्जेंटीना फोरम फॉर द डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसी' ने कहा कि यह उन पीड़ितों की जीत है जिन्होंने ताकतवर लोगों के खिलाफ बोलने की हिम्मत दिखाई। अब अर्जेंटीना का विदेश मंत्रालय यह आधिकारिक अनुरोध वाशिंगटन डीसी भेजेगा, जहां अमेरिकी कानूनी विभाग इस पर विचार करेगा।

जेफरी एपस्टीन मामले में बिल गेट्स ने तोड़ी चुप्पी

मुझे उसके साथ बिताए हर मिनट पर पछतावा

वाशिंगटन, एजेंसी। एपस्टीन फाइल्स से जुड़े आरोपों पर माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने गहरा खेद प्रकट किया है। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी नए दस्तावेजों और ईमेल के बाद उठे विवाद बिल गेट्स ने ने सिरे से खारिज करते हुए माफी मांगी है और उसे पूरी तरह दरअसल, अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी एपस्टीन फाइल के नए दस्तावेजों और ईमेल में यह खुलासा हुआ कि बिल गेट्स ने रूसी लड़कियों के साथ संबंध बनाए थे, जिसके कारण उन्हें यौन संक्रमण हुआ था। ऑस्ट्रेलिया के चैनल नाइन न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा, जेफ्री एपस्टीन ने खुद को एक ईमेल लिखा था, जिसे कभी भेजा नहीं गया। वह ईमेल झूठा है। मुझे नहीं पता कि उसके पीछे उसकी क्या सोच थी। उसके साथ बिताए हर मिनट पर मुझे पछतावा है और मैं माफी मांगता हूं कि मैंने उसके साथ समय बिताया। 2019 में जेल में बंद यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन की आत्महत्या की जांच से संबंधित लाखों पन्नों का नया दस्तावेज अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा हाल ही में जारी किया गया है। बिल गेट्स का नाम सामने आने के बाद उनके प्रवक्ता ने कहा, ये दस्तावेज केवल एपस्टीन की इस निराशा को दर्शाते हैं कि गेट्स के साथ उनका कोई स्थायी संबंध नहीं था।

ये शर्मनाक डिजीटल पोर्न टेलीग्राम पर...

चीन में के पुरुष अपनी पत्नियों और गर्लफ्रेंड के न्यूड फोटो कर रहे पोस्ट

बीजिंग, एजेंसी। चीन में महिलाओं और मासूम बच्चियों की सुरक्षा को लेकर एक डरावना खुलासा हुआ है। यहां के सार्वजनिक शौचालयों, स्कूलों के बाथरूम, अस्पतालों और निजी घरों में छिपे हुए कैमरों के जरिए महिलाओं के न्यूड वीडियो और तस्वीरें रिकॉर्ड की जा रही हैं। इस अवैध कंटेंट को टेलीग्राम जैसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स पर सीक्रेट ग्रुप्स के जरिए दुनिया भर में बेचा जा रहा है।

बंद कमरों में डिजिटल डकैती

यह नेटवर्क इतना विशाल है कि एक-एक ग्रुप में 50 हजार से लेकर 1 लाख तक सदस्य शामिल हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि कई ग्रुप्स में पुरुष खुद अपनी पत्नियों, गर्लफ्रेंड्स और महिला रिश्तेदारों के निजी वीडियो और तस्वीरें साझा कर रहे हैं। प्राथमिक स्कूलों के बाथरूम में कैमरे लगाने के तरीकों और रात में स्कूलों में घुसपैठ करने की योजनाएं इन चैट ग्रुप्स में खुलेआम डिस्कस की जाती हैं।

वीआईपी मेंबरशिप और क्रिप्टोकरेंसी का खेल: इस काले कारोबार को चलाने के लिए तकनीक का भरपूर सहारा लिया जा रहा है। इन ग्रुप्स में शामिल होने के लिए करीब 20 डॉलर की वीआईपी मेंबरशिप बेची जाती है। एक ग्रुप ने तो 40 हजार से ज्यादा वीडियो का एक्सेस देने का दावा किया है। पकड़े जाने से बचने के लिए अलीपे, वीचैट पे के साथ-साथ क्रिप्टोकरेंसी का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है। कई अपराधी सार्वजनिक स्थानों के सीसीटीवी कैमरों को हैक कर उनकी फुटेज भी लीक कर रहे हैं।

पेट दर्द हुआ तो अस्पताल पहुंचा युवक, बुलाना पड़ा दस्ता?

तेज पेट की शिकायत के अस्पताल में भर्ती कराया गया

पेरिस , एजेंसी। फ्रांस के टूलूज शहर से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक को तेज पेट की शिकायत के अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान डॉक्टरों को युवक के मलाशय (गुदा) में प्रथम विश्व युद्ध के समय का आठ इंच लंबा तोप का गोला मिला।

इस दौरान अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। डॉक्टरों को अहसास हुआ कि युवक के शरीर के भीतर मौजूद वह गोला एक जिंदा बम हो सकता है, जो किसी भी समय फट सकता है। सुरक्षा के मद्देनजर आनन-फानन में अस्पताल के एक हिस्से को खाली कराया गया। इसके बाद बम निरोधक विशेषज्ञों को बुलाकर उनकी देखरेख में डॉक्टरों ने ऑपरेशन किया।

न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, अज्ञात फ्रांसीसी मरीज को पिछले शनिवार (31 जनवरी) को टूलूज शहर में युवक को इमरजेंसी में

भर्ती कराया गया। आपातकालीन सर्जरी के दौरान, डॉक्टरों को उसमें एक जीवित बम मिला और उन्होंने इसके फटने के डर से अलर्ट जारी कर दिया। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान का बताया जा रहा गोला सर्जरी के बाद बता चला कि 24 वर्षीय युवक के गुदा में प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) के एक तोप का आठ इंच लंबा गोला फंसा हुआ था, जिसके कारण अस्पताल परिसर के भीतर मौजूद लोगों को बाहर करना पड़ा।

लेकिन, बम निष्क्रिय नहीं था, इसलिए बम निरोधक विशेषज्ञों को गोले को निष्क्रिय करने के लिए बुलाया गया, और दमकलकर्मी मौके पर मौजूद थे। बम निरोधक दस्ते के अलावा, दमकलकर्मी भी अस्पताल पहुंचे और अस्पताल को खाली कराया।

ऑपरेशन कर निकाला गया बाहर

अधिकारियों द्वारा विस्फोटक स्थिति की जांच किए जाने के दौरान चिकित्सा केंद्र के चारों ओर सुरक्षा घेरा बनाया गया। जिसके बाद युवक का सफल ऑपरेशन कर गोले को गुदा से निकाला गया। जिसके बाद बम निरोधक विशेषज्ञों ने गोले को हटा दिया। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल सका है कि पीतल और तांबे से बना वह प्राचीन गोला उस व्यक्ति के मलाशय में कैसे फंस गया। छ फ्रांसीसी मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि गोला-बारूद की यह अजीब स्थिति किसी पार्टी में किए गए स्टंट के बिगड़ जाने का परिणाम हो सकता है।

टैरिफ में भारत को ढील; भड़के पाकिस्तानी लोग

वाशिंगटन , एजेंसी। भारत ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील किया है। इस डील के बाद भारत को अमेरिका में निर्यात पर अब 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी का टैरिफ देना होगा। यह समझौता 2 फरवरी को हुआ। इसे भारत की कूटनीतिक जीत माना जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान को 19 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है, भले ही इस्लामाबाद ने ट्रंप प्रशासन के साथ लगातार संपर्क और लॉबिंग की हो।

पाकिस्तान में इस खबर से गुस्सा और निराशा फैल गई है। लोग कह रहे हैं कि महीनों की चापलूसी, नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकन और व्यक्तिगत रिश्ते बनाने के बावजूद पाकिस्तान को भारत से ज्यादा टैरिफ डील मिली। सोशल मीडिया पर लोग लिख रहे हैं, सम्मान खरीदा नहीं जा सकता।

पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर इस समझौते की आलोचना तेज हो गई है। लोग ट्रंप के पोस्ट्स को देखकर हैरान हैं, जहां उन्होंने इंडिया गेट की तस्वीरें और इंडिया टुडे मैगजीन के कवर शेयर किए हैं। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ट्रंप साथ दिख रहे हैं। इसके बाद उन्होंने भारतीय सामानों पर टैरिफ 18 प्रतिशत करने की घोषणा की, जो पाकिस्तान के 19 प्रतिशत से एक प्रतिशत कम है। पूर्व पीटीआई मंत्री हम्माद अजहर ने इसे रणनीति की नाकामी बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 21वीं सदी में विदेश नीति फोटो ऑप्स या व्यक्तिगत रिश्तों से नहीं चलती। यह आर्थिक ताकत, टैरिफ

और बाजार पहुंच पर आधारित होती है। भारत के यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ हाल के समझौते इसी बात को साबित करते हैं। चापलूसी और फोटो सेशन बेकार हैं।

समझौते के मुताबिक, अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर टैरिफ 18 प्रतिशत तय किया है। पाकिस्तान को 19 प्रतिशत का सामना करना पड़ रहा है, जबकि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने वाशिंगटन में लगातार लॉबिंग की थी। ट्रंप ने भारत के साथ डील में रूसी तेल खरीद बंद करने की शर्त पर पेनल्टी टैरिफ हटाया और रिसिप्रोकल टैरिफ घटाया। पाकिस्तानी विपक्ष ने इसका फायदा उठाया है। पीटीआई नेताओं का कहना है कि भारत ने रणनीतिक स्वायत्तता से बात की, जबकि पाकिस्तान की सरकार व्यक्तिगत मुलाकातों पर निर्भर रही और कमजोर डील लेकर लौटी। पत्रकार असद टूर ने चेतावनी दी कि यह टैरिफ फैसला पाकिस्तान की आर्थिक मुश्किलों को और बढ़ाएगा। उन्होंने गिरते निर्यात, घटते विदेशी निवेश और देश की सौदेबाजी की ताकत के लगभग खत्म होने की बात कही है। डिजिटल क्रिएटर वजाहत खान ने लिखा, ट्रंप बिजनेसमैन हैं। उन्होंने एक मैनेजर और दुकानदार को देखा और दुकानदार वाली डील दी। भारत पार्टनर बनकर आया और 18 प्रतिशत का इनाम लेकर गया।

● चला रखा है भ्रष्टाचार रोधी अभियान

चीन में कुछ होने वाला है, चिनफिंग ने एक साथ हटाए कई जनरल; किए बड़े बदलाव

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया के सबसे ताकतवर देशों में शुमार चीन की सत्ता पर काबिज हुए शी चिनफिंग को करीब 14 वर्ष हो गए हैं। उन्होंने सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए न केवल सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी में बड़े पैमाने पर बदलाव किए हैं बल्कि सेना में शीर्ष स्तर पर कई जनरलों की छुट्टी कर चुके हैं। लेकिन सेना में जिस तरह जनरलों और एडमिरलों के खिलाफ कदम उठाए गए हैं, उसके पीछे की वजह संदेह और खतरा बताया जा रहा है।चीनी रक्षा मंत्रालय ने गत 24 जनवरी को यह बताया था कि सेना के शीर्ष नेतृत्व जनरल झांग यूशिया और एसोसिएट जनरल लियू झेनली गंभीर उल्लंघनों को लेकर जांच में दायरे में हैं। झांग को चिनफिंग का वफादार माना जाता है। यह तो महज एक ताजा घटनाक्रम है, लेकिन बीते तीन वर्षों में चीनी सेना में ऐसा बदलाव हुआ है, जो देश के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया। न्यूयार्क टाइम्स के विश्लेषण के अनुसार, चिनफिंग ने खुद के द्वारा 2022 में केंद्रीय

सैन्य आयोग में नियुक्त किए गए छह जनरलों में से एक को छोड़कर सभी को हटा दिया है। जबकि 2023 की शुरुआत में 30 जनरल और एडमिरल थे, जो विभिन्न थिएटर कमांड और विशेष अभियानों की कमान संभाल रहे थे। इनमें से लगभग सभी को निकाल दिया गया है या गायब हो गए हैं। इन कदमों की वजह से दुनिया की सबसे बड़ी सेना में शीर्ष स्तर पर नेतृत्व का बड़ा खालीपान हो गया है। वाल स्ट्रीट जर्नल की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, कुछ चीनी सैन्य अधिकारियों को बताया गया था कि झांग अमेरिकी सरकार के जासूस थे और उन्होंने परमाणु खुफिया जानकारी दी थी।

2012 से चिनफिंग चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव और केंद्रीय सैन्य आयोग के अध्यक्ष हैं। जबकि 2013 से राष्ट्रपति हैं। अपने शासन की शुरुआत से ही चिनफिंग भ्रष्टाचार रोधी अभियानों के माध्यम से इस तरह का सफाया कर रहे हैं और सत्ता पर अपनी पकड़ लगातार मजबूत कर रहे हैं। वह दशकों में देश के सबसे शक्तिशाली नेता बन गए हैं। विरोधियों नहीं करीबियों से ज्यादा खतराताानाशाही पर किताब लिखने वाले जर्मन राजनीतिक विश्लेषक मार्सेस डिर्सस का कहना है कि ऐसे तानाशाह को सबसे ज्यादा खतरा प्रदर्शनकारियों और विरोधियों से नहीं बल्कि अपने करीबियों से लगता है। उन्होंने कहा, एक तानाशाह हमेशा आशंकित रहता है। उसे हर वक्त लगता है कि खतरा मंडरा रहा है।

कनाडा की टो-ट्रक हिंसा जांच में बड़ा खुलासा, टोरंटो पुलिस 9 अधिकारी भी संगठित अपराध में शामिल !

टोरंटो , एजेंसी। कनाडा के टोरंटो शहर में टो-ट्रक उद्योग से जुड़ी हिंसा और संगठित अपराध के मामलों में टोरंटो पुलिस के नौ अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगे हैं। सूत्रों के हवाले से सीबीसी न्यूज ने बताया कि इन अधिकारियों पर मानव तस्करी, हत्यारों को पते लीक करने, पुलिस अधिकारियों के पते उजागर करने और एक जेल अधिकारी की हत्या की साजिश रचने जैसे आरोप हैं।

सूत्रों के अनुसार, जांच में यह भी सामने आया है कि टोरंटो साउथ डिटेंशन सेंटर के एक यूनिट कमांडर की हत्या की साजिश रची गई थी। इनमें से दो अधिकारी बुधवार को अदालत में पेश हुए और उन्हें अगली सुनवाई तक जमानत पर रिहा किया गया है, जबकि अन्य अधिकारियों की कोर्ट में पेशी गुरुवार को होनी है।इस पूरे मामले की जांच यॉर्क रीजनल पुलिस कर रही है। टोरंटो पुलिस ने फिलहाल इस पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा है कि गुरुवार

को यॉर्क पुलिस की ओर से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले की जानकारी दी जाएगी। टोरंटो पुलिस प्रमुख मायरोन डेमकिव भी इस प्रेस वार्ता में शामिल होंगे। टोरंटो में टो-ट्रक उद्योग से जुड़ी हिंसा लंबे समय से चिंता का विषय बनी हुई है।

युद्धविराम के बावजूद इजराइली हमले में 24 फिलीस्तीनी ढेर

गाजा , एजेंसी। गाजा पट्टी में संघर्षविराम के दौरान इजराइल द्वारा किए गए ताजा हमलों में रातभर दर्जनों लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गाजा में इजराइली गोलीबारी में कम से कम 24 फिलीस्तीनी मारे गए, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं।फिलीस्तीनी अधिकारियों के अनुसार, यह हमले संघर्षविराम लागू होने के बाद सबसे घातक घटनाओं में से एक हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मृतकों में सात बच्चे शामिल हैं, जबकि कम से कम 38 लोग घायल हुए हैं। यह हिंसा ऐसे समय हुई है जब अमेरिका की मध्यस्थता से हुए समझौते के तहत गाजा और मिस्र के बीच रफाह सीमा चौकी को आंशिक रूप से फिर से खोला गया था।

हालांकि, फिलीस्तीनी अधिकारियों का कहना है कि इजराइल ने बुधवार को मरीजों को रफाह के रास्ते बाहर जाने से रोक दिया। इजराइली सेना ने दावा किया कि उसके सैनिकों पर गोलीबारी के बाद जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें एक अधिकारी गंभीर रूप से घायल हुआ। इजराइल और हमास एक-दूसरे पर संघर्षविराम के उल्लंघन का आरोप

लगा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र और मानवीय संगठनों ने चेतावनी दी है कि गाजा में हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं और बड़ी संख्या में लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता और सुरक्षित आवागमन की जरूरत है। कार्रवाई में तीन शीर्ष चरमपंथी और कुछ ऐसे लोग मारे गए जो उसकी सेना के लिए खतरा पैदा कर रहे थे। घातक इजराइली हमलों ने 10 अक्टूबर से लागू युद्धविराम का बार बार उल्लंघन किया है। फलस्तीनी नागरिकों की बढ़ती मौतों के बीच गाजा के लोगों का कहना है कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है मानो युद्ध थमा ही नहीं है। अस्पताल से जुड़े सूत्रों के अनुसार, बुधवार को मारे गए फलस्तीनियों में कम से कम पांच बच्चे, सात महिलाएं और ड्यूटी पर तैनात एक पैरामेडिक शामिल है। गाज़ा सिटी के शिफ़ा अस्पताल के निदेशक डॉ. मोहम्मद अबू सलमिया ने फ़ेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, गाज़ा पट्टी में हमारे लोगों के खिलाफ़ जनसंहार जारी है।

2024 के बाद दूसरी बार जीता खिताब; दिल्ली फिर चूकी

आरसीबी ने छह विकेट से जीता फाइनल

मुंबई। आज महिला प्रीमियर लीग के चौथे संस्करण का फाइनल मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स के बीच वडोदरा में खेला जा रहा है। इस मैच में जीत के साथ जहां आरसीबी दूसरी बार खिताब अपने नाम करने का लक्ष्य लेकर उतरी है, वहीं दिल्ली पहली बार ट्रॉफी जीतना चाहेगी। आरसीबी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी है।आरसीबी को चौथा झटका चिनेल हेनरी ने दिया। उन्होंने स्मृति मंधाना को बोल्ड किया।वह 41 गेंदों में 87 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। अब नादिन डी क्लार्क और राधा यादव क्रीज पर मौजूद हैं।

आरसीबी को 181 पर तीसरा झटका

आरसीबी को तीसरा झटका नंदिनी शर्मा ने दिया। उन्होंने ऋचा घोष को अपना शिकार बनाया। वह सिर्फ छह रन बना सकीं। अब मंधाना का साथ देने नादिन डी क्लार्क आई हैं। 18 ओवर के बाद आरसीबी का स्कोर तीन विकेट पर 186 रन है।

आरसीबी को दूसरा झटका

आरसीबी को दूसरा झटका मिन्नू मणि ने दिया। उन्होंने शेफाली वर्मा के हाथों जॉर्जिया वॉल को अपना शिकार बनाया। वह 54 गेंदों में 79 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। जॉर्जिया और मंधाना के बीच दूसरे विकेट के लिए 165 रनों की साझेदारी हुई। अब ऋचा घोष आई हैं। 17 ओवर के बाद स्कोर दो विकेट पर 177 रन है। आरसीबी को जीत के लिए 18 गेंदों में 27 रन की जरूरत है।

जॉर्जिया और मंधाना के बीच 150+ रन की साझेदारी

जॉर्जिया वॉल (79) और स्मृति मंधाना (77) के बीच दूसरे विकेट के लिए 160 रनों की साझेदारी हो चुकी है। 16 ओवर के बाद टीम का स्कोर एक विकेट पर 169 रन है।

मंधाना का पचासा

जॉर्जिया वॉल के बाद स्मृति मंधाना ने भी अर्धशतक पूरा कर लिया। उन्होंने 24 गेंदों में पचासा जड़ा।

37 गेंदों में जॉर्जिया का पचासा

37 गेंदों में जॉर्जिया वॉल ने अपना अर्धशतक पूरा किया। वह स्मृति मंधाना के साथ 100 रनों की साझेदारी निभा चुकी हैं। कप्तान भी अर्धशतक के करीब हैं। आरसीबी का स्कोर 11 ओवर के बाद एक विकेट पर 109 रन है।

भारतीय मूल के खिलाड़ियों से भरी है कनाडाई टीम

टोरंटो । कनाडा ने साल फरवरी से भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम घोषित कर दी है। इसमें 15 खिलाड़ियों में से 11 खिलाड़ी भारतीय मूल के हैं। उनमें से भी कप्तान सहित छह खिलाड़ी ऐसे हैं जिनका जन्म भारत में हुआ है। ऐसे में ये दूसरी भारतीय टीम ही नजर आती है। वहीं टीम में दो खिलाड़ी पाकिस्तान मूल और दो कैरेबियाई मूल के हैं। टीम के कप्तान दिलप्रीत सिंह बाजवा का जन्म पंजाब के गुरदासपुर में हुआ था। वहीं नवनीत सिंह धालीवाल पंजाब के चंडीगढ़ में जन्मे हैं। जसकरन सिंह बुट्टर पंजाब के मोहाली में हुआ है, इस खिलाड़ी ने भारत ए की ओर से भी खेला था। वहीं श्रेयस मोवा का जन्म आंध्र प्रदेश के गुंतूर में हुआ है, जबकि अंश प्रदीपकुमार पटेल का जन्म गुजरात के वडोदरा में हुआ था। टीम में शामिल शिवम शर्मा दिल्ली में जन्मे हैं। वहीं, टीम में शामिल साद बिन जफर और कलीम साना का जन्म पाकिस्तान में हुआ था। वेस्टइंडीज के गयाना में जन्मे डिलोन हिलिंगर और बारबाडोस में जन्मे निकोलस किर्टन को भी टीम में जगह मिली है। टीम में 5 खिलाड़ी ऐसे हैं, जिनका पर जन्म तो कनाडा में हुआ है पर इनकी जड़ें भारत से जुड़ी हैं।इनमें हर्ष ठाकर, कंवरपाल तथगुर, युवराज सिंह सामरा, रविंद्र पाल सिंह और अजयवीर सिंह हुंड का नाम शामिल है। इस प्रकार देखा जाये तो कनाडा की टीम भारत की टीम ज्यादा लग रही है। कनाडा की टीम को टी20 विश्व कप 2026 में ग्रुप डी में रखा गया है। इसमें उसके साथ दक्षिण अफ्रीका, यूएई, न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान की टीम शामिल है। वह विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 9 फरवरी को पिछले बार की उपविजेता रही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले से करेगी

ब्रीफ न्यूज

महिला हॉकी टीम की फिटनेस पर है ध्यान: कोच

नई दिल्ली ।भारतीय महिला हॉकी टीम इसी साल होने वाले एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक की तैयारियों में लगी है।इसी को देखते हुए मुख्य कोच स्योर्ड मारिज्ने ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान टीम की फिटनेस बनाये रखने के साथ ही आपसी तालमेल को बेहतर करने पर रहेगा।मारिज्ने ने कहा कि फिटनेस पर अधिक ध्यान इसलिए दिया जा रहा है क्योंकि ये आजकल के खेल में सबसे जरुरी है। इसी पर टीम का प्रदर्शन आधारित रहता है।इसके अलावा खिलाड़ियों के एक जुट होकर खेलने पर जोर दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि जब टीम फिट होगी तभी वह बेहतर प्रदर्शन कर पायेंगी क्योंकि दबाव सहने के लिए शारीरिक रुप से मजबूत होना जरुरी है।भारतीय टीम को अभी 8 से 14 तक हैदराबाद में होने वाले एफआईएच महिला विश्व कप क्वालीफायर खेलने हैं।इसके अलावा एशियन गेम्स 2026 और एलए 2028 ओलंपिक चक्र के अन्य बड़े टूर्नामेंट भी खेलने हैं।टीम आजकील बेंगलुरु स्थित साई के क्षेत्रीय केंद्र में राष्ट्रीय कोचिंग कैंप में अभ्यास कर रही है।ये 18 फरवरी तक चलेगा। शुरुआत में इस शिविर में 49 खिलाड़ी शामिल थे, जिनमें 43 सीनियर और छह जूनियर थीं।

अब पीएसएल में खेलेंगे स्मिथ

सिडनी।ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को अब पाकिस्तान प्रीमियर लीग (पीएसएल) में खेलते हुए नजर आ सकते हैं।स्मिथ इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी में उतरे थे पर उनपर किसी भी टीम ने बोली नहीं लगायी। ऐसे में स्मिथ अब पीएलएल 2026 सत्र में खेलना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने प्रयास भी शुरु कर दिये हैं।स्मिथ को एक टीम से प्रस्ताव भी मिला है जिससे उनका करार भी हुआ है।

एक रिपोर्ट के अनुसार स्मिथ पीएसएल के 10वें सीजन में सियालकोट स्टैलियंस की ओर से खेलते दिखेंगे।सियालकोट 7 फरवरी को अपने रिटेंशन प्लेयर्स की लिस्ट को जारी करेगी।उस सूची में स्टीव स्मिथ का नाम भी शामिल होने की संभावना है।अगर इस बीच आईपीएल में उन्हें अवसर मिल जाता है तो वह पीएसएल छोड़ भी सकते हैं।ऐसा पहले भी कई खिलाड़ियों ने किया है।स्मिथ काफी समय तक आईपीएल खेले हैं और उन्होंने दो टीमों की कप्तानी भी की है।

गौरतलब है कि पीएसएल में 8 टीमें उतरेंगे जिसमें से 6 टीमों ने अपने खिलाड़ियों की सूची जाहिर कर दी है।वहीं मुल्तान सुल्तान्स टीम ने किसी को भी रिटेन नहीं किया है।नीलामी से वह टीम खिलाड़ियों को शामिल करेगी।वहीं, नई बनी टीम सियालकोट स्टैलियंस और हैदराबाद की टीम 7 फरवरी को नामों की घोषणा करेगी।इस्लामाबाद युनाइटेड ने 3, जबकि लाहौर कलंदर्स, पेशावर जाल्मी, क्वेटा ग्लैडिएटर्स और कराची किंग्स ने 4-4 खिलाड़ी रिटेन किये हैं।

टी-20 वर्ल्डकप, पाकिस्तान से मैच पर सूर्या बोले-हम तैयार हैं

मुंबई। टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच को लेकर चल रहीं चर्चाओं के बीच भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया का रुख स्पष्ट कर दिया। गुरुवार को मुंबई में कैप्टन्स डे के दौरान सूर्या ने कहा कि भारत मैच खेलेगा। सामने वाली टीम नहीं खेलना चाहती तो यह उनकी मर्जी है।

सूर्या बोले- ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी सहज

मुंबई में बातचीत के दौरान सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया के कोच ड्रेसिंग रूम में गौतम गंभीर के असर को लेकर बात की। उन्होंने कहा, गंभीर ने टीम के भीतर जो माहौल बनाया है, वह काफी सकारात्मक है। ड्रेसिंग रूम का माहौल भी काफी सहज रहता है। भारत के 5, श्रीलंका के 3 वेन्यू पर टूर्नामेंट भारत में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम, नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम, कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम, चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट के मैच खेले जाएंगे।

हमारा माइंडसेट बिल्कुल साफ है

हमने खेलने के लिए मना नहीं किया है, उधर से मना किया गया है।ढ्ढष्ट ने मैच का शेड्यूल तय किया है और हम खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।हमारे टिकट बुक हैं और दिल्ली के बाद हम कोलंबो जा रहे हैं।टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू हो रहा है।15 फरवरी को टीम इंडिया कोलंबो में पाकिस्तान से भिड़ने वाली है, लेकिन पाकिस्तान सरकार ने इस मैच के बॉयकॉट का ऐलान कर दिया है।

दो शहरों में कैप्टन्स डे

टी-20 वर्ल्ड कप का कैप्टन्स डे आज दो अलग-अलग शहरों में आयोजित किया गया। मुंबई में भारत, अफगानिस्तान, कनाडा, इंग्लैंड, इटली, नामीबिया, नेपाल, न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड, साउथ अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज के कप्तानों ने हिस्सा लिया।

वहीं, कोलंबो में आयोजित कैप्टन्स डे में श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, नीदरलैंड, ओमान, पाकिस्तान,ख्श्र और जिम्बाब्वे के कप्तान शामिल हुए।

पाकिस्तान ने 1 फरवरी को मैच का बॉयकॉट किया

1 फरवरी को पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर एक पोस्ट के जरिए भारत के खिलाफ मैच के बॉयकॉट करने का ऐलान किया था।पाकिस्तान ने यह फैसला बांग्लादेश के सपोर्ट में लिया था, क्योंकि बीसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत की बजाय अपने मैच श्रीलंका में कराने की मांग की थी।यह पूरा विवाद मुस्तफिजुर रहमान को ढ्ढक्क रूसे हटाए जाने के बाद शुरू हुआ।ढ्ढष्टद्ध ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा के विरोध में मुस्तफिजुर रहमान को भारतीय लीग से बाहर करने का फैसला किया था।

बेन स्टोक्स को चेहरे पर गेंद लगी

इंग्लैंड । टेस्ट कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स एक भयानक हादसे का शिकार हो गए हैं। मैदान पर ट्रेनिंग के दौरान एक तेज रफ्तार गेंद उनके चेहरे पर जा लगी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। स्टोक्स ने सोशल मीडिया पर अपनी एक डरावनी तस्वीर शेयर की, जिसमें उनका चेहरा पहचान पाना भी मुश्किल हो रहा है। एशेज की हार के बाद घर लौटे थे स्टोक्स 34 वर्षीय बेन स्टोक्स हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खत्म हुई एशेज सीरीज में 4-1 की करारी हार झेलकर इंग्लैंड वापस लौटे थे। इस शर्मनाक हार के बाद से ही उनकी कप्तानी पर तलवार लटकी हुई है और इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड उनकी भूमिका की समीक्षा कर रहा है। ऐसे समय में इस चोट ने उनकी मुश्किलों को और बढ़ा दिया है।

दाईं आंख सूजी, नाक भी चोटिल

मैदान पर वापसी में हो सकती है देरी

स्टोक्स को जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज से पहले काउंटी क्रिकेट में डरहम के लिए खेलना था। लेकिन चेहरे की इस गंभीर चोट के बाद अब उनके मैदान पर लौटने के समय को लेकर संशय बना हुआ है। कोच ब्रेंडन मैक्कुलम और इंग्लैंड की मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

सोशल मीडिया पर शेयर की 'डरावनी' फोटो

स्टोक्स ने इंस्टाग्राम पर अपनी जो तस्वीर शेयर की है, उसमें उनकी दाई आंख पूरी तरह सूजी हुई और काली पड़ चुकी है। उनके गाल और होंठों पर खरोंच के गहरे निशान हैं और नाक से खून बहने के कारण पट्टी (बैंडेज) लगी हुई है। हालांकि, इतनी गंभीर चोट के बावजूद स्टोक्स का मजाकिया अंदाज बरकरार है। उन्होंने फोटो के कैप्शन में लिखा, 'आपको क्रिकेट की गेंद की हालत देखनी चाहिए (यानी गेंद की हालत मुझसे भी बुरी होगी)।

टी20 विश्व कप में सबसे कम स्कोर पर आउट हुई हैं यूगांडा और नीदरलैंड

मुम्बई।टी20 विश्वकप शुरु होने में अब कुछ ही दिन शेष हैं।विश्वकप मुकबले भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से खेले जाएंगे।इसमें कई नये रिकार्ड बन सकते है।अब तक हुए टी20 विश्व कप के आंकड़ों पर नजर डालें तो कि दो टीमें जिनके नाम विश्वकप में सबसे कम स्कोर का रिकार्ड है।2 टीमें इसमें अब तक 50 रनों के अंदर आउट हुई हैं।ये टीमें यूगांडा और नीदरलैंड हैं।ये दोनो ही टीमें 50 रनों के अंदर ही आउट हुई हैं।ये दोनो ही एसोसिएट टीमें रही हैं।टी20 विश्व कप की शुरुआत साल 2007 में हुई थे। वहीं साल 2014 तक कोई भी टीम 50 या इससे कम के स्कोर पर नहीं सिमटी थी।नीदरलैंड की टीम साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 39 रनों पर आउट हो गई थी।इसके बाद 4 और बार टीमें 50 से कम के स्कोर पर सिमट गयीं।नीदरलैंड की टीम साल 2021 के टी20 विश्व कप में भी 50 से कम रनों पर आउट हुई थीं।सबसे कम स्कोर पर आउट होने के मामले में युगांडा की टीम सबसे आगे है, वह साल 2024 के टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 39 रन पर ही आउट हो गयी थी।वहीं नीदरलैंड की टीम भी साल 2014 में 39 रनों पर आउट हुई थी।वहीं साल 2024 में युगांडा की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 40 रन के स्कोर पर आउट हुई।युगांडा एकमात्र टीम है, जो दो बार 40 से कम रनों पर आउट हुई है।वहं सूची में सबसे कम रनों पर आउट होने के मामले में चौथे नंबर पर नीदरलैंड है।वह , साल 2021 में श्रीलंका के खिलाफ केवल 44 रन ही बना पायी थी।पांचवें स्थान पर ओमान की टीम है।वह सला 2024 के टी20 विश्व कप में 44 रनों पर आउट हुई थी।

भारत और इंग्लैंड के बीच आज खेला जाएगा यूथ अंडर 19 विश्व कप क्रिकेट

दोपहर एक बजे से खेला जाएगा खिताबी मुकाबला

हरारे । भारत और इंग्लैंड की टीमें शुक्रवार को यहां यूथ अंडर 19 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेलने उतरेंगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को हराकर दसवीं बार फाइनल में प्रवेश किया जबकि इंग्लैंड टीम छठी बार फाइनल में पहुंची है। भारत और इंग्लैंड दोनो ही टीमों ने अपने-अपने सभी मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनायी है। भी अपने सभी मैच जीते हैं. दोनों टीमों के बीच फाइनल छह फरवरी को हरारे में भारतीय समय के मुताबिक दोपहर एक बजे से खेला जाएगा.

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और इंग्लैंड की टीमों ने अब तक अंडर 19 में 55 यूथ एकदिवसीय मैच खेले हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 41 मुकाबलों में जीत हासिल की है।

भारतीय टीम : आयुष म्हात्रे (कप्तान), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, डी. दीपेश, मोहम्मद एमान, एरॉन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उदय मोहन, हेमिल पटेल, खिलान ए. पटेल, हर्षवर्धन सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी

इंग्लैंड टीम : थॉमस रेव (कप्तान), फरहान अहमद, रॉकी अलर्ट, बिल वीसन, बेन डॉकिन्स, कालेब फॉल्कनर, अली फारूक, एलेक्स फ्रेंच, एलेक्स ग्रीन, ल्यूक हेंडरसन, मैनी लार्डन, बेन मेयर, जेम्स मीटो, जो मूर्स, सेबेस्टियन मॉर्गन

स्लोवेनिया में यूईएफए फुटसल यूरो 2026 सेमीफाइनल में खेलते हुए स्पेन के एंटोनियो पेरेज।

क्रोएसिया में जाग्रेब ओपन रेसलिंग; 41 पहलवानों ने लिया भाग

हरियाणा के दो खिलाड़ियों ने जीता गोल्ड और सिल्वर मेडल

झज्जर। ओलिंपिक मेडलिस्ट अमन सहरावत ने जाग्रेब ओपन रेसलिंग 2026, WW (युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग) रैंकिंग सीरीज के पहले ही दिन सिल्वर मेडल जीता है। वहीं शुरुआती में ही हरियाणा के सुजीत कलकल ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। 4-8 फरवरी तक क्रोएशिया के जाग्रेब में सीरीज का आयोजन किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट में अमन सहरावत (61 किग्रा) और सुजीत कलकल (65 किग्रा) जैसे प्रमुख नामों के साथ 41 सदस्यीय भारतीय दल भाग ले रहा है। पहले दिन सुजीत कलकल ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि अमन सहरावत ने रजत पदक प्राप्त किया।

पेरिस ओलिंपिक में जीत चुके ब्रॉन्ज मेडल

अमन सहरावत ने पेरिस ओलिंपिक में देश के लिए ब्रोंज मेडल जीता था। वहीं हाल में नोएडा आयोजित हुई PWL में भी अमन सहरावत ने मुंबई टाइगर्स की टीम से खेलने का मिला था। वहीं सुजीत कलकल अंडर 23 एशियन चैंपियनशिप में विजेता रह चुके हैं और उन्हें भी PWL में दिल्ली की टीम से खेलने का मौका मिला था।

भारत की ओर से गया 41 पहलवालों का दल

क्रोएसिया में आयोजित हो रही रेसलिंग ओपेन रैंकिंग सीरीज में भारत की ओर से 16 पुरुष फ्रीस्टाइल, 15 महिला पहलवान, और 10 ग्रीको-रोमन पहलवान भाग ले रहे हैं। अमन सहरावत झज्जर जिले के गांव बिरोहड़ के रहने वाले हैं और सुजीत कलकल दादरी जिले के गांव इमलोटा के रहने वाले हैं।

अमन ने पेरिस ओलिंपिक में ब्रॉन्ज दिलाया था

अमन सहरावत ने पेरिस ओलिंपिक में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था। उन्होंने फ्री-स्टाइल 57द्मद्द कैटेगरी में प्यूर्टो रिको के डरियन टोई क्रूज को 13-5 से हराया था। वे भारत के सबसे युवा ओलिंपिक मेडलिस्ट बने थे। उन्होंने 21 साल 24 दिन की उम्र में ओलिंपिक ब्रॉन्ज जीता।

तामनार उड़ीसा बॉर्डर पर ट्रांसपोर्ट की खुनी झड़प में गिरफ्तारी शून्य अब नए पुलिस कप्तान पर टिकी लोगों की नजर

पूर्व पुलिस की कमजोरी ने अपराधियों को बनाया ताकतवर

रायगढ़/मूक पत्रिका

उड़ीसा सीमा क्षेत्र में कोल ट्रांसपोर्ट को लेकर हुई हथियारबंद गैंगवार ने जिले की पूर्व पुलिस व्यवस्था की विफलता को साफ उजागर कर दिया है। यह मामला किसी तात्कालिक विवाद का नहीं बल्कि लंबे समय से चल रही गुंडा टैक्स की अवैध वसूली और पुलिस की लचर कार्यप्रणाली का परिणाम माना जा रहा है।

400से 500 प्रति वाहन की खुली वसूली या फिर कार्रवाई की कमी–सूत्रों से मिली जानकारी या फिर तमनार, रायगढ़ के बुद्धजीवी लोगों में हमेशा चर्चा रही है की बाहर से आने वाली ट्रांसपोर्ट गाड़ियों से ?400से 500 प्रति वाहन की दर से महीनों तक खुलेआम वसूली होती रही, लेकिन न तो इसे रोकने के लिए ठोस कदम उठाए गए और न ही वसूली में लिप्त तत्वों पर कोई प्रभावी कार्रवाई हुई। इसी ने अपराधियों को इतना हौसला दिया कि मामला हथियारों के दम पर गैंगवार में तब्दील हो गया।हलाकि कई लोगों ऐसे भी है जो ट्रांसपोटरों की आपसी रजिश बताई जा रही है जो भी है अधिकारीयों की करवाई शून्य रही

100 से अधिक आरोपी,लेकिन गिरफ्तारी शून्य–तामनार उड़ीसा टपरंगा बॉर्डर पर हुई ट्रांसपोर्टों की खूनी घटना में 100 से अधिक लोग आरोपी या संदिग्ध के रूप में चिन्हित किए जा चुके हैं, बावजूद इसके एक भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। न गैंगवार में शामिल मुख्य चेहरे जेल पहुंचे और न ही वसूली गैंग पर कोई शिकंजा कसा गया।

पूर्व पुलिस की कमजोरी ने अपराधियों को बनाया ताकतवर–जानकारी के अनुसार, संगठन और डंपर पार्टी की आड़ लेकर कुछ गुंडा तत्वों ने बाहर से आने वाली कोल ट्रांसपोर्ट गाड़ियों से नियमित अवैध वसूली का नेटवर्क खड़ा कर रखा था। उड़ीसा के ट्रांसपोर्टर्स ने मजबूरी में यह गुंडा टैक्स दिया, लेकिन विरोध पर मारपीट और हिंसा शुरू हो गई।

नए कप्तान पर टिकी सभी बुद्धजीवी की नजर–रायगढ़ में नए पुलिस अधीक्षक शशि मोहन की पदस्थापना हो चुकी है।और उनके दिशा निर्देश के बाद लगातार करवाई देखने को मिल रही है. और लगभग जिले के सभी थाना में करवाई पहले के अपेक्षा बढ़ी हुई है लेकिन अब पूरे जिले की निगाह इस बात पर है कि तामनार में ट्रांसपोटरों की खुनी घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ कब तक करवाई होंगी पुलिस कप्तान से रायगढ़ की जनता को काफी उमीदे है क्योंकि उस घटना ने रायगढ़ को सत्ते में डाल दिया था

जनता का सवाल कब होंगी कार्रवाई–रायगढ़ में खुलेआम चल रही अवैध वसूली और गैंगवार के बावजूद अब तक गिरफ्तारी न होना आमजन के लिए चिंता का विषय है। सवाल उठता है कि पुलिस गिरफ्तारी और अवैध वसूली पर रोक के लिए समयसीमा कब तय करेगी, या जिले की कानून व्यवस्था पहले की तरह ही सवालों के घेरे में रहेगी

हाईस्कूल पोटानार के ह्स्स् स्वयंसेवकों ने टांडपाल में चलाया स्वच्छता अभियान, ग्रामीणों को किया जागरूक

पोटानार/मूक पत्रिका

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोटानार की राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स्) इकाई द्वारा ग्राम पंचायत टांडपाल में एक दिवसीय विशेष स्वच्छता एवं साफ-सफाई अभियान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा स्वच्छ भारत अभियान के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना रहा। अभियान के दौरान विद्यालय के ह्स्स् स्वयंसेवकों ने ग्राम के मुख्य मार्गों, पंचायत भवन परिसर एवं सार्वजनिक स्थलों की सफाई की। छात्रों ने श्रमदान करते हुए झाड़ू लगाई, कचरा एकत्र किया तथा उसके सुरक्षित निपटान की व्यवस्था की। इस दौरान स्वच्छता के महत्व पर ग्रामीणों को जानकारी भी दी गई।कार्यक्रम में ह्स्स् कार्यक्रम अधिकारी सुनील कुमार सिंग ने स्वयंसेवकों के उत्साह और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं की भागीदारी से ही स्वच्छ समाज का निर्माण संभव है। वहीं ग्राम पंचायत टांडपाल के सरपंच ने विद्यालय के इस प्रयास को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि इस तरह की पहल से गांव को स्वच्छ, सुंदर एवं रोगमुक्त बनाने में मदद मिलेगी। अभियान के अंत में ह्स्स् स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को स्वच्छता की शपथ दिलाई, जिसमें अपने घरों एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने तथा सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का उपयोग न करने का संकल्प लिया गया।

एसटी, एससी वर्ग के नागरिकों से स्वरोजगार योजना हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित

अंत्योदय और आदिवासी स्वरोजगार योजना के बैंक लोन में दस हजार रुपए का छूट

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी, एसटी) वर्ग के नागरिकों को स्वयं का व्यवसाय प्रारम्भ करने एवं स्वरोजगार से जोड़ने हेतु छ.ग. शासन द्वारा अंत्योदय और आदिवासी स्वरोजगार योजना संचलित की जा रही है। योजना में सेवा एवं व्यवसाय क्षेत्र, कृषि क्षेत्र, उद्योग क्षेत्र के अन्तर्गत् विभिन्न प्रकार के व्यवसाय संचालित करने हेतु ऋण आवेदन आमंत्रित किए जा रहे है।

योजना में पात्रता एवं शर्ते

आवेदक अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति वर्ग का हो, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र सरपंच या पार्षद एवं आय प्रमाण पत्र पटवारी द्वारा जारी प्रस्तुत करना होगा। आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 150000/- से अधिक न हो। आवेदक का नाम राशन कार्ड में हो. आधार कार्ड, पेन कार्ड की छायाप्रति, पूर्व में किसी योजना में लाभ नहीं लिया हो का शपथ पत्र देना होगा। आवेदक की आयु 18 वर्ष से कम तथा 50 वर्ष से अधिक न हो। योजना में बैंक द्वारा ऋण स्वीकृति पर 50 प्रतिशत् या अधिकतम 10000/- (दस हजार रू.) जो भी कम हो अनुदान का प्रावधान है । अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के इच्छुक एवं पात्र व्यक्ति आवेदन पत्र प्राप्त करने हेतु आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड एवं आधार कार्ड की छायाप्रति के साथ आवेदन करें । आवेदन टी.सी.पी.सी. परिसर, खैरहा, बिलासपुर रोड़ राधाकृष्ण हॉस्पिटल के पास सारंगढ में कार्यालयीन समय में प्राप्त एवं जमा किए जा सकते हैं। आवेदन में कांट-छांट, ओव्हरराईटिंग इत्यादि स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

बलरामपुर में मनरेगा के मुद्दे पर कांग्रेस का कलेक्ट्रेट घेराव, राष्ट्रपति को ज्ञापन

बलरामपुर/मूक पत्रिका

सद्दाम खान/ बलरामपुर–बलरामपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को उसके मूल अधिकार-आधारित स्वरूप में यथावत बनाए रखने तथा केंद्र सरकार द्वारा किए गए कथित जनविरोधी परिवर्तनों को वापस लेने की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन कलेक्टर बलरामपुर-रामानुजगंज के माध्यम से राष्ट्रपति को प्रेषित किया गया। पूरे जिले से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता जिला मुख्यालय पहुंचे थे जो रैली के शक्ल में कलेक्ट्रेट पहुंचे कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस के द्वारा भी व्यापक स्तर में व्यवस्था की गई थी। ज्ञापन में कहा गया है कि मनरेगा भारतीय लोकतंत्र का एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कानून है, जिसने ग्रामीण भारत के करोड़ों परिवारों को सम्मानजनक रोजगार का कानूनी अधिकार प्रदान किया है। यह अधिनियम केवल एक कल्याणकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों, श्रमिकों और वंचित वर्गों के सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत आधार रहा है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के मूल अधिकार आधारित स्वरूप में ऐसे परिवर्तन किए जा रहे हैं, जिससे इस कानून की आत्मा कमजोर हो रही है। मनरेगा को संवैधानिक अधिकार से हटाकर एक सीमित प्रशासनिक योजना में बदला जा रहा है, जिसका सीधा असर ग्रामीण श्रमिकों के रोजगार के अधिकार पर पड़ रहा है। ज्ञापन में मजदूरी निर्धारण एवं भुगतान में अनिश्चितता, कार्य आवंटन में देरी, पंचायतों और ग्राम सभाओं के अधिकारों में कटौती, ठेकेदारी व्यवस्था को अप्रत्यक्ष बढ़ावा देने तथा राज्यों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने जैसी नीतियों पर गंभीर आपत्ति जताई गई। नेताओं का कहना है कि इन बदलावों के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी बढ़ रही है, मजदूरों का पलायन हो रहा है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था कमजोर हो रही है।कांग्रेस पार्टी ने ग्रामीण भारत के हितों को ध्यान में रखते हुए तीन प्रमुख मांगें रखीं। पहली, मनरेगा को उसके मूल अधिकार आधारित स्वरूप में बनाए रखा जाए। दूसरी, पंचायतों और ग्राम सभाओं को योजना निर्माण, क्रियान्वयन और निगरानी के पूर्ण अधिकार पुनः प्रदान किए जाएं। तीसरी, जिसके इस कानून की आत्मा कमजोर वर्तमान महंगाई और जीवन-यापन की लागत को देखते हुए मनरेगा के तहत न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये प्रतिदिन निर्धारित की जाय। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरिहर यादव, पूर्व जिला राजेन्द्र तिवारी, पूर्व सामरी विधायक डॉ प्रीतम राम, पूर्व महापौर अंबिकापुर अजय तिर्की, नगर अध्यक्ष कुसमी राजेंद्र प्रसाद भगत, महेश्वर पैकरा शंकरगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष विजय पैकरा, चांदो ब्लॉक अध्यक्ष अब्दुल्ला, युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष मुजस्सम नजर, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष बृजेश यादव, खान, ओमकार गुप्ता, अजय सोनी, विवेक सिंहदेव अब्दुल अंसारी, मधु गुप्ता, समीर सिंह देव, मोहन सिंह, राजा चौबे, मुमताज अंसारी मोहम्मद बक्सअंसारी, प्रेम सागर सिंह जसीम अंसारी, रामदेव जगते जगते,बिंदेश्वरी गुप्ता अजय यादव शाहिद पूरे जिले से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मिलित रहे।

23 फरवरी को झिंझारी (कटनी) में होगा महिला सेना पुलिस भर्ती का शारीरिक दक्षता परीक्षा

सीईई परीक्षा में पास महिला उम्मीदवार ही लेंगी हिस्सा

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

सेना भर्ती कार्यालय जबलपुर द्वारा सेना में महिला सेना पुलिस पद के लिए भर्ती का आयोजन 23 फरवरी 2026 को पुलिस ग्राउन्ड झिंझारी कटनी मध्यप्रदेश में किया गया है, जिसमें सेना भर्ती कार्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ अंतर्गत आने वाले सभी 33 जिलों की ऑनलाईन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) में सफल हुए महिला उम्मीदवार भी हिस्सा लेंगी। ऑनलाईन परीक्षा में उत्तीर्ण महिला उम्मीदवार ही शारीरिक दक्षता और अन्य भर्ती प्रक्रियाओं में भाग लें सकेंगे। शारीरिक दक्षता, दस्तावेज सत्यापन में सफल महिला उम्मीदवारों की 24 फरवरी 2026 को सेना अस्पताल जबलपुर में चिकित्सा जांच की जाएगी। रैली में भाग लेने वाली योग्य महिला उम्मीदवारों को प्रवेश पत्र उनके ई-मेल पर भेजा गया है। साथ ही प्रवेश पत्र वेबसाईट ज्वाइन इंडियन आर्मी डॉट एनआईसी डॉट इन (www.joinindianarmy.nic.in) पर उपलब्ध है और ईमेल पर भेजा गया है। भर्ती में हिस्सा लेने के लिए प्रवेश पत्र एवं रैली अधिसूचना के अनुसार सभी आवश्यक दस्तावेज के साथ साथ आधार कार्ड से लिंक मोबाईल भी लेकर आना अनिवार्य है।

खैरगढ़ी में आंगनबाड़ी केंद्र बना बच्चों की पसंद, गायत्री निषाद की पहल की हो रही सराहना

बरमकेला /मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत खैरगढ़ी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-1 इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां पदस्थ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गायत्री निषाद नन्हे-मुन्ने बच्चों को पढ़ाने का एक अलग और रोचक अंदाज़ अपनाए हुए हैं। खेल-खेल में, गीत-कविता और गतिविधियों के माध्यम से दी जा रही शिक्षा ने बच्चों में सीखने के प्रति नया उत्साह भर दिया है।

गायत्री निषाद की इस नवाचारी पद्धति का सकारात्मक असर साफ नजर आ रहा है। बच्चे नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र आने लगे हैं और उनका मन भी पढ़ाई में लगातार लगा हुआ है। पहले जहां बच्चों की उपस्थिति एक चुनौती बनी रहती थी, वहीं अब केंद्र बच्चों की चहचहाहट से गुलजार रहता है। इस बदलाव से अभिभावक भी बेहद खुश हैं। उनका कहना है कि बच्चों में न केवल सीखने की रुचि बढ़ी है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और अनुशासन भी देखने को मिल रहा है। अभिभावकों द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गायत्री निषाद की जमकर सराहना की जा रही है और उनकी मेहनत को बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बताया जा रहा है। खैरगढ़ी का यह आंगनबाड़ी केंद्र अब प्रेरणा का

केंद्रीय बजट 2026 से सभी वर्गों को राहत, आत्मनिर्भर भारत की ओर बड़ा कदम : ओमप्रकाश जायसवाल

बलरामपुर /मूक पत्रिका

केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट वर्ष 2026 के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष जिला बलरामपुर ओम प्रकाश जायसवाल द्वारा मीडिया से चर्चा करते हुए बताया गया कि यह बजट सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए एक ऐतिहासिक एवं राहत पूर्ण बजट केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 1.4 लाख करोड़ रुपए का यह बजट भारत देश के समग्र, समावेशी एवं सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शिक्षा रोजगार , तकनीक, स्वास्थ्य, ग्रामोद्योग , पर्यटन एवं आधारभूत संरचना जैसे प्रमुख क्षेत्रों में यह बजट देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में काफी सराहनीय होगा । भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल जिला बलरामपुर द्वारा केंद्रीय बजट 2026 का स्वागत करते हुए बताया कि यह बजट भारत को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को साकार करने वाला जनकल्याणकारी एवं विकासोन्मुखी बजट है , इनके द्वारा कहा गया कि यह बजट युवा वर्ग , किसान , आम आदमी,सहित भारत में निवासरत सभी व्यक्तियों के लिए काफी राहतपूर्ण बजट है । इस प्रकार के सराहनीय बजट पेश करने पर केंद्रीय मंत्रीमंडल सहित राज्य के सभी मंत्रीमंडल को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इस 2026 के बजट की सराहना की गई।

प्रशासन के नाक के नीचे संबलपुरी में रात के अंधेरे में मिट्टी माफिया के द्वारा किया जा रहा है अवैध उत्खनन

खनिज विभाग के अधिकारी मौन तो कार्यवाही करेगा कौन?

रायगढ़ /मूक पत्रिका

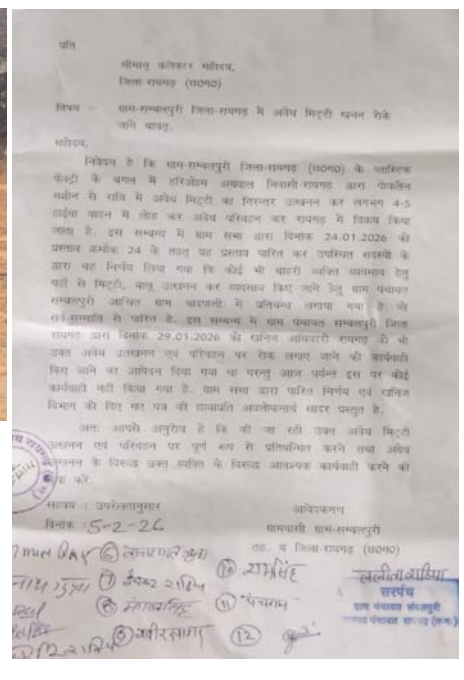

मामला संबलपुरी ग्राम पंचायत का है जहा नियमों को ताक में रखकर रात के अंधेरे में मिट्टी माफिया के द्वारा अवैध उत्खनन धड़ल्ले से किया जा रहा है ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत संबलपुरी मे प्लास्टिक फैक्ट्री के बगल से रसूखदार मिट्टी माफिया के द्वारा रात के अंधेरे में पोकलेन मशीन, 4-5 डंम्पर लगाकर लगातार धड़ल्ले से मिट्टी का अवैध उत्खनन व परिवहन किया जा रहा है. इसी संबंध ग्राम पंचायत संबलपुरी के द्वारा 29.1.2026 को अवैध खनन व परिवहन की शिकायत पंचायत के प्रतिनिधि व ग्रामीणो के द्वारा खनिज विभाग रायगढ़ में शिकायत की की गई थी लेकिन विडंबना की बात यह है कि लिखित शिकायत करने के बाद भी आज दिनांक तक खनिज विभाग द्वारा मिट्टी माफिया पर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं इस खनिज विभाग के आशीर्वाद से रसूखदार मिट्टी माफिया के हौसले बुलंद है. इस मिट्टी माफिया के ऊपर खनिज विभाग के द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं करने की वजह से जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने 5.02.2026 को अवैध उत्खनन व परिवहन को लेकर जिला कलेक्टर से गुहार लगाई है. बहरहाल अब आगे यह देखना होगा कि अवैध मिट्टी माफिया के ऊपर प्रशासन के द्वारा कब और किस प्रकार की कार्यवाही की जाती है

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।